MPMETRO

METRO NEWS

1st JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	01.06.2023	5	चुनाव से पहले जमीन पर उतरेगा शहर के पहले डबल डेकर एलेवेटेड कॉरीडोर का काम	Neutral

चुनाव के पहले जमीन पर उतरेगा शहर के पहले डबल डेकर एलिवेटेड कॉरीडोर का काम

प्रस्ताव कैबिनेट को गया, अगले हफ्ते मंजूरी मिलने की संभावना, 306 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी के पहले डबल डेकर एलिवेटेड कॉरीडोर का निर्माण कार्य चुनाव के पहले जमीन पर उतर सकता है। इसका प्रस्ताव कैबिनेट को भेज दिया गया है। वहां से अगले हफ्ते इसे मंजूरी मिलने की संभावना है। इस पर करीब 306 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

लोक निर्माण विभाग ने लाउखेड़ी सीवेज पंप हाउस से बैरागढ़ विसर्जन घाट तक फोर लेन डबल डेकर एलिवेटेड कॉरीडोर की योजना बनाई थी। यह करीब तीन किमी लंबा होगा। इसके सबसे ऊपर मेट्रो चलेगी और नीचे से वाहन गुजरेंगे। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए सेंट्रल रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) में 233 करोड़ रुपए मंजूर कर किए हैं।

प्रमुख सचिव ने कहा सिक्स लेन बनेगा, प्लान में करना पड़ा बदलाव

प्लान पर काम शुरू हुआ था कि पीडब्ल्यूडी के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कॉरीडोर को फोर की जगह सिक्स लेन बनाने के निर्देश दिए। इसके मुताबिक योजना में बदलाव किया गया। पहले यह प्रोजेक्ट करीब 222 करोड़ रुपए में हो रहा था। इसके लिए सीआरआईएफ से 233 करोड़ रुपए मंजूर हुए थे। ऐसे में 11 करोड़ रुपए बच रहा था। नई प्लानिंग से लागत बढ़ कर 306 करोड़ रुपए पहुंच गई। इसमें पेड़, बिजली उपकरणों की शिफ्टिंग व जीएसटी भी शामिल है। अब स्थिति यह है कि राज्य सरकार को भी प्रोजेक्ट के लिए पैसा देना होगा। इस योजना को मुख्य सचिव की कमेटी से हरी झंडी मिल चुकी है। ऐसे में केबिनेट की मंजूरी के लिए पीडब्ल्यूडी ने भेज दिया है।

छह महीने एनओसी लेने में ही चले गए

शहर में मेट्रो के चार से ज्यादा रूट प्रस्तावित हैं। मौजूदा स्थिति में केवल एम्स से सुभाष नगर रूट का कार्य चल रहा है। मेट्रो प्रोजेक्ट की वजह से कई विकास कार्य अटक चुके हैं या फिर उनकी प्लानिंग में बदलाव करना पड़ा। ऐसी ही कुछ डबल डेकर कॉरीडोर योजना के साथ हुआ। यह जिस मार्ग और एलाइनमेंट पर बनाया जाना है, वहां से मेट्रो का एक रूट भी प्रस्तावित है। हालांकि, दो-तीन साल तक इसका काम शुरू होने की संभावना कम है। इसके बाद भी मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के तत्कालीन अधिकारियों ने पीडब्ल्यूडी के प्रोजेक्ट के लिए एनओसी देने से मना कर दिया। अनापत्ति के लिए पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने भाग दौड़ शुरू की। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से लेकर नगरीय प्रशासन संचालनालय के अफसरों के साथ बैठक की। संचालनालय के आला अधिकारियों को डबल डेकर कॉरीडोर के प्रस्तावित मार्ग का निरीक्षण कराया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी के प्रोजेक्ट को सैद्धांति सहमति दे दी। हालांकि, इसमें पीडब्ल्यूडी का छह महीना चला गया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	FREE PRESS	Bhopal	01.06.2023	5	Metro Mock up to be set up at Smart Park	Neutral

BHOPAL CITY
Pg-05 BHOPAL | THURSDAY | JUNE 1, 2023 www.freepressjournal.in

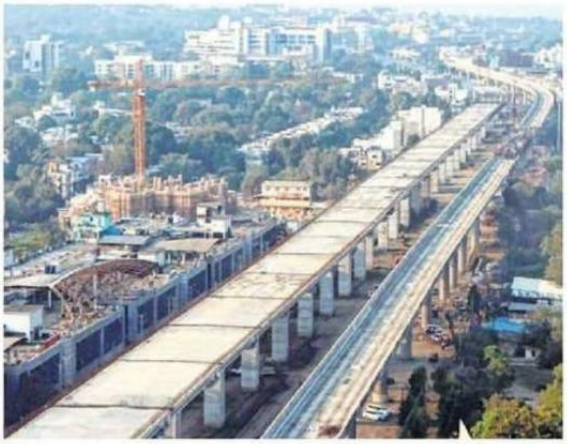

Metro mock up to be placed at Smart Park

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Madhya Pradesh Metro Rail Corporation has decided mock up or dummy of Metro train at Smart City Park. The metro officials will study the dummy model and will give suggestions to the manufacturing company if required. People will be also able to see the mock up train.

"Metro mock up will reach city in June though the date is yet to be finalised in this regard," said a senior officer associated with Metro Project.

He said manufacturing company Alstom would supply the metro train mock up from Chennai. The mock up will have all the features of Metro coaches and people would be able to see that what kind of facilities they will be get, how train will stop at next station.

Work expedited

Work of Bhopal Metro project has been expedited to meet the September deadline when its trial run will be held. At present, Metro officials are working on automatic signals, which will have world's latest technology. In future, Metro Corporation is planning to run driverless train. The construction of metro stations at Board Office and Subash Nagar has been almost completed.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	पीपल्स समाचार	भोपाल	01.06.2023	2	अगस्त मे शुरू होगा भोपाल-इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
भोपाल सिटी Page: 2 June 01, 2023

अगस्त में शुरू होगा भोपाल-इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन

दोनों शहरों में 2-2 रेल में 3-3 बोगियों से होगा ट्रायल, नए वर्ष में लोकार्पण की संभावना

पीपुल्स ब्यूरो ● भोपाल
मो.नं. 9827334317

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल का ट्रायल रन अगस्त में शुरू हो जाएगा। शुरुआती दौर में दोनों शहरों में दो-दो ट्रेनें चलेंगीं, जिनमें तीन-तीन बोगियां लगाई जाएंगी। गुजरात से बोगियां लाने का काम भी अगस्त में ही होगा, यहां बोगियों के एसेंबल्ड करने का काम सुभाष नगर डिपो में किया जाएगा। यह जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बुधवार

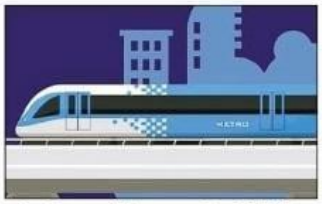

को दी। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल का काम तेजी से चल रहा है, काम पूरा करने की डेट लाइन अगस्त तक की गई है। ट्रायल रन करने में मेट्रो कंपनियों को तीन से चार माह का समय लगेगा।

आम जनता को रेल में सफर करने के लिए मेट्रो द्वारा वर्ष 2024 तक ही खुल पाएंगे। दोनों शहरों में प्राथमिकता कॉरीडोर में ही इसका ट्रायल रन होगा। बताया जाता है भोपाल में सुभाष नगर और एम्स (7 किमी) के बीच में ट्रायल रन तथा इंदौर में गांधी नगर स्टेशन से सुपरकोच-3 के बीच में (5 किमी) चलाई जाएंगी। मेट्रो के काम में तेजी आए, इसके लिए अलग अलग कार्यों के लिए अलग-अलग कंपनी को काम दिया गया है, इन कंपनियों को अगस्त के दूसरे सप्ताह तक काम पूरा करने के लिए कहा गया है।

मेट्रो दो मिनट में तय करेगी एक से दूसरे स्टेशन की दूरी

मेट्रो एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक की दूरी महज दो मिनट में पूरा करेगी। दोनों शहरों में एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन की दूरी डेढ़ से दो किमी रखी गई है। अप-डाउन के लिए ट्रैफिक के अनुसार मेट्रो चलाई जाएंगी। भोपाल में 27 रेल सेट चलाने की क्षमता रहेगी, जबकि इंदौर में 25 रेल सेट चलेगी। इस क्षमता के अनुसार रेल तब संचालित की जाएंगी जब दोनों शहरों में पूरी रेल लाइन बिछा दी जाएगी।

MPMETRO

METRO NEWS

3rd JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	नई दुनिया	भोपाल	03.06.2023	1	मेट्रो कॉरिडर के 100 मीटर बाहर ही हो सकें व्यवसायिक गतिविधियां	Neutral

Pg-01

नई सोच, नया अंदाज

नवदुनिया

वर्ष 16 अंक 23
कुल पेज 12+4=16
नगर संस्करण
कीमत ₹ 5.00
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष चतुर्दशी/पूर्णिमा सं. 2080
भोपाल, शनिवार 03 जून, 2023
www.naidunia.com
भोपाल (नवदुनिया), इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

भोपाल के मास्टर प्लान-2031 का संशोधित मसौदा जारी

मेट्रो कारिडोर के 100 मीटर बाहर ही हो सकेंगी व्यावसायिक गतिविधियां

- बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 3872.43 हेक्टेयर होगा
- वर्ष 2020 में प्रशासन ने इसे 3541.09 हेक्टेयर बताया था
- 30 जून तक कर सकेंगे दावे आपत्तियां, उसके बाद होगा लागू
- राजधानी से सटे बाघ भ्रमण क्षेत्र में निर्माण पर जारी रहेगी रोक
- वन विभाग को और मिली 400 हेक्टेयर जमीन
- 1731 आपत्तियों को मान्य कर प्लान में किया गया बदलाव

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। शहर की जीवन रेखा कहे जाने वाले बड़े तालाब को लेकर की गई भूल सुधार ली गई है। अब बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल 3872.43 हेक्टेयर होगा। वर्ष 2020 में प्रशासन इसे 3541.09 हेक्टेयर बताकर बड़ी भूल की थी और बीते कुछ वर्षों से इसी के अनुरूप तालाब के संरक्षण और शहर के विकास की योजनाएं बनाई जा रही थी, बल्कि उन पर काम भी किया जा रहा था। इससे पहले से अतिक्रमण की चपेट में फंसे बड़े तालाब पर खतरा और बढ़ गया था। शुक्रवार को जारी किए गए मास्टर प्लान-2031 के संशोधित मसौदे में यह भूल सुधार ली गई है।

यही नहीं, मेट्रो कारिडोर के दोनों किनारों पर बड़े निर्माण संबंधी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए छूट की सीमा को 500 मीटर से घटाकर 100 मीटर कर दिया है।

अरेरा कालोनी समेत अन्य क्षेत्रों में मेट्रो के किनारे इस सीमा के बाहर लोग व्यावसायिक निर्माण कर सकेंगे। 51 गांवों को निगम सीमा में शामिल किया जाएगा। केरवा, कलियासोत, मैंडोरा समेत राजधानी से लगे बाघ मूवमेंट वाले क्षेत्रों में निर्माण पर रोक यथावत रहेगी, बल्कि वन विभाग को 400 हेक्टेयर अतिरिक्त जमीन देने का प्रविधान किया गया है। इसका फायदा बाघ समेत दूसरे वन्यजीवों को होगा। जारी संशोधित मसौदे में अद्योसंरचना संबंधी और भी प्रविधान किए गए हैं, जिसका फायदा शहरवासियों को होगा।

नगर निगम आयुक्त केबीएस चौधरी ने बताया कि इस मसौदे पर 30 जून तक आम जन दावे आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे। इनका निराकरण के बाद इसे लागू किया जाएगा।

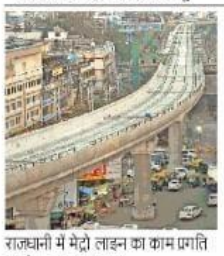

राजधानी में मेट्रो लाइन का काम प्रगति पर है। ● फाइल फोटो

17 वर्ष से अटका था मास्टर प्लान

भोपाल का मास्टर प्लान बीते 17 वर्षों से फाइलों में अटका था। शुक्रवार को नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने इसका संशोधित मसौदा जारी किया है। भोपाल का आखिरी मास्टर प्लान 1995 में तत्कालीन दिग्विजय सिंह सरकार ने जारी किया था। यह मास्टर प्लान 2005 में समाप्त हो गया था। अब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सरकार ने इसका संशोधित प्रारूप जारी किया है।

1731 आपत्तियों का निराकरण करके किया गया जारी

बता दें कि पांच मार्च 2020 को यह मसौदा जारी किया गया था, जिस पर 1731 आपत्तियां आई थीं। इन सभी को स्वीकार करते हुए इसमें बदलाव किए गए हैं। हालांकि अभी मास्टर प्लान में संशोधन के लिए दावे-आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	03.06.2023	3	मेट्रो से अब 100 मीटर दूर तक रहेगा मिक्स लें	Neutral

मेट्रो से अब 100 मीटर दूर तक रहेगा मिक्स लैंड यूज

अरेरा कॉलोनी–चूना भट्टी में घर के साथ ऑफिस–दुकान की परमिशन मिलना मुश्किल

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में मेट्रो रूट के दोनों ओर अब 500 मीटर का ट्रांजिट ओरियंटेड डेवलपमेंट एरिया विकसित नहीं किया जाएगा। इस दूरी को अब 100 मीटर करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके पीछे शासन की ओर से वजह बताई गई है कि 500 मीटर के प्रावधान से 2398.19 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बड़े स्तर पर सघन निर्माण के साथ वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित होंगी। इससे वर्तमान शहरी अधोसंरचना जैसे सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी आदि पर दबाव पड़ेगा। वैसे भी मेट्रो रेल का प्रभाव क्षेत्र इतना बड़ा नहीं होता है। ऐसे में टीओडी कॉरिडोर को 500 मीटर की जगह 100 मीटर करवाना प्रस्तावित है। इसके लिए 514.25 हेक्टेयर क्षेत्रफल निर्धारित किया गया है। इस क्षेत्र में मिक्स लैंड यूज के निर्माण हो सकेंगे यानि आवासीय व व्यवसायिक प्रॉपर्टी साथ होंगी।

मास्टर प्लान के बारे में वह सब जो आप जानना चाहते हैं

मास्टर प्लान 2005 में अरेरा कॉलोनी (ई-1 से ई-5), चूना भट्टी, विजय नगर जैसे क्षेत्रों को विशेष आवासीय क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया था। इनकी पहचान को बनाये रखने के लिए एवं उपलब्ध नगरीय अधोसंरचना के आधार पर विशेष विकास मापदंड निर्धारित किये गये थे। भोपाल विकास योजना (प्रारूप) 2031 में इस क्षेत्र में उच्चतर एफएआर के साथ मिश्रित गतिविधियों को भी प्रस्तावित किया गया था। यह इन क्षेत्रों के लिए ठीक नहीं थे। ऐसे में शासन ने यहां के लिए मिश्रित उपयोग गतिविधियों और इसके मापदंडों को संशोधित किया है।

गांवों की सड़कें भी 18 मीटर चौड़ी होंगी

भोपाल विकास योजना (प्रारूप) 2031 में ग्रामीण मार्गों की चौड़ाई प्रस्तावित नहीं की गई थी। ग्रामीण मार्ग यातायात के लिये उपलब्ध होते हैं और इनका विस्तार करने से ट्रैफिक के दबाव को कम किया जा सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए शासन ने ग्रामीण सड़कों को 18 मीटर चौड़ा करना प्रस्तावित किया है। नहरों के दोनों ओर 15-15 मीटर चौड़े रास्ते होंगे।

18 मीटर से चौड़ी सड़क पर ही मिलेगा मिश्रित भू उपयोग

मास्टर प्लान 2031 में 12 मीटर एवं इससे अधिक चौड़े सभी मार्गों पर मिश्रित उपयोग की अनुमति प्रस्तावित की गई थी। इससे रिहायशी इलाको में बड़े पैमाने पर कॉमर्शियल गतिविधियां होने लगती। ऑफिस, शोरूम , होटल खुल जाते । इस वजह से वहां भीड़ भाड़ और प्रदूषण बढ़ जाता। पार्किंग की समस्या भी आती। ऐसे में मिश्रित उपयोग के लिए मार्ग की न्यूनतम चौड़ाई को 12 मीटर के स्थान पर 18 मीटर प्रस्तावित किया गया है।

पहले के यह प्रावधान भी होंगे लागू

- आवासीय जोन तय किए गए हैं, शहर को इस लिहाज से पांच हिस्सो में बांटा गया।
- लैंडयूज को भी पांच हिस्सों में विभक्त किया गया है।
- एमपी नगर, करोंद, मिसरोद, न्यू मार्केट को वाणिज्यिक उपनगर के तौर पहचान दी जाएगी, यहां चार गुना तक अधिक निर्माण हो सकेगा।
- पुराने शहर के लिए हेरिटेज एफएआर का प्रावधान किया गया है।
- शहर के चारों कोनों में विकसित किए जाएंगे बाजार ताकि न्यू मार्केट में न लगे भीड़।

अवधपुरी से हथाईखेड़ा मार्ग अब 30 मीटर चौड़ा बनेगा

मास्टर प्लान 2005 में अवधपुरी से हथाईखेड़ा तक 80 मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित किया गया था। इसका 5.2 किलोमीटर लंबा भाग ड्राफ्ट 2031 में विलोपित कर दिया गया था। इसे लेकर शासन के ध्यान में लाया गया कि इस मार्ग से लगकर अनेक अनुमतियों जारी की गई है। इससे कई कालोनियों का प्रवेश दर्शाया गया है। ऐसे में इस मार्ग को हटाया जाना ठीक नहीं है। यह भी सही है कि इस मार्ग के एलाइनमेंट में अनेक निर्माण हो गये है। इसके मद्देनजर मार्ग की चौड़ाई को 30 मीटर निर्धारित करते हुये प्रस्तावित किया गया है। इसी तरह कोलार रोड से बिलकिसगंज तक प्रस्तावित 60 मीटर चौड़े मार्ग में बदलाव किया गया है। इस मार्ग का एलाइनमेंट मौजूदा कान्हाकुंज कालोनी के ऊपर से गुजरता है। इस कॉलोनी में बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। इस वजह से रोड के निर्माण में दिक्कतें आएंगी। इसके चलते कॉलोनी वाले हिस्से संशोधित कर नजदीक की शासकीय भूमि पर प्रस्तावित किया गया है।

मसौदे में यह बदलाव भी अहम

- बेस एफएआर, टीडीआर / प्रीमियम एफएआर तथा अधिकतम एफएआर पर पुनर्विचार कर प्रस्तावित किया गया है। प्रस्तावित नवीन आवासीय क्षेत्र में बेस एफएआर को कम रखा गया है। शेष माध्यम से अतिरिक्त एफएआर का प्रावधान किया गया है
- भोपाल विकास योजना-2005 के अनुसार निम्न घनत्व आवासीय क्षेत्रों में एफएआर 1:0.06 के प्रावधान रखे गये थे, जिसको ड्राफ्ट 2031 में बढ़ाकर 1:0.75 प्रस्तावित किया गया था। यह इलाका पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में अथवा इसके निकट स्थित है। ऐसे में निम्न घनत्व वाले आवासीय क्षेत्रों का एफएआर 1:0.06 किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे प्रेमपुरा, सेवनिया गौड़, बरखेड़ी खुर्द, खुदागंज, मेण्डोरी, मेण्डोरा इत्यादी क्षेत्रों में निम्न घनत्व का निर्माण सुनिश्चित किया जा सकेगा।
- ग्राम सतगढ़ी में राजस्व भूमि को वन / कृषि भूमि के अंतर्गत प्रस्तावित किया गया था राज्य शासन द्वारा इस भूमि पर स्पोर्ट सिटी प्रस्तावित किये जाने से सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक प्रस्तावित किया जा रहा है।
- भविष्य में भवन के आकार तथा ऊंचाई, लम्बाई-चौड़ाई को मार्ग की चौड़ाई के आधार पर निर्माण किये जाने के प्रावधान किये जा रहे हैं। भवन का उपयोग किस प्रयोजन के लिये हो सकेगा, इसके प्रावधान भी स्पष्ट रूप से मार्ग चौड़ाई के आधार पर रहेंगे। भवन के अंदर संचालित की जाने वाली गतिविधि को परिवर्तित भी किया जा सकेगा।
- भोपाल विकास योजना (प्रारूप) 2031 में केरवा बांध के एफटीएल के अंतर्गत क्षेत्र को भूमि उपयोग मानचित्र पर 340.16 हेक्टेयर क्षेत्रफल में दर्शाया गया था, जो कि वास्तविक जल भराव क्षेत्र से कम था। सेटेलाईट इमेज के आधार पर इसमें संशोधन कर केरवा बांध का क्षेत्रफल 446.93 हेक्टेयर निर्धारित कर दर्शाया गया है।
- ड्राफ्ट 2031 में हथाईखेड़ा बांध के उत्तर-पश्चिमी भाग में 32.26 हेक्टेयर क्षेत्र को निम्न घनत्व आवासीय क्षेत्र में प्रस्तावित किया गया है, जबकि यह क्षेत्र भोपाल विकास योजना- 2005 में हरित क्षेत्र के रूप में आरक्षित किया गया था। जल भराव क्षेत्र के निकट होने के कारण फिर हरित क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	दैनिक जागरण	भोपाल	03.06.2023	1	अब मेट्रो के दोनों ओर सिर्फ 100 मीटर के दायरे मे होगा हाईराइस डेवलपमें	Neutral

Pg-01

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.djmp.in/epaper

वर्ष 66 अंक 248 पृष्ठ 10+8=18
भोपाल, शनिवार 03 जून, 2023
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 14, विक्रम संवत् 2080
महानगर मूल्य 5 रुपए
आज के अंक के साथ सत्यकथा (ऐच्छिक)

अब मेट्रो के दोनों ओर सिर्फ 100 मीटर के दायरे में होगा हाईराइज डेवलपमेंट

संशोधित मास्टर प्लान के प्रारूप का प्रकाशन, 24 बड़े बदलाव किए गए

पहले मेट्रो के दोनों तरफ 500 मीटर तक मिक्स लैंड यूज के तहत निर्माण का था प्रावधान

हरियाणा की तर्ज पर नहरों के किनारे होगा विकास

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल में मेट्रो रूट के दोनों ओर अब 100 मीटर के दायरे में ही हाईराइज डेवलवमेंट होगा। सरकार ने भोपाल के प्रस्तावित मास्टर प्लान-2031 में संशोधन कर इस दायरे को 400 मीटर कम कर दिया है। पूर्व में यह दायरा 500 मीटर प्रस्तावित था, जिसे कम कर 100 मीटर कर दिया गया है। यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण और व्यवस्थित शहरी विकास के मद्देनजर लिया गया है। दरअसल, सरकार ने अर्बन डेवलपमेंट से जुड़े 24 बड़े बदलाव मास्टर प्लान के प्रारूप में किए हैं। शुक्रवार को टीएंडसीपी की धारा 19 (2) के तहत संशोधित मास्टर प्लान के प्रारूप का प्रकाशन कर दिया गया। बता दें कि अठारह साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर सरकार ने मास्टर प्लान लागू करने के लिए कवायद शुरू हुई है। तीन साल पहले 5 मार्च, 2020 को मास्टर प्लान को लेकर टीएंडसीपी ने दावे-आपत्तियां बुलाई थीं। प्रस्तावित प्रावधानों ■ शेष पृष्ठ 5 पर

क्या है धारा 19 (2)

यह नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 19 (2) को इस प्रकार परिभाषित किया गया है, जहां राज्य सरकार विकास योजनाओं को उपांतरण के साथ अनुमोदित करे, वहां सरकार राजपत्र में प्रकाशित की गई सूचना द्वारा ऐसे उपांतरणों के संबंध में उस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से कम से कम 30 दिन की काल अवधि के भीतर दावे- आपत्तियां तथा सुझाव आमंत्रित करेगी।

बेस एफएआर को किया कम, पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी

मास्टर प्लान में संशोधन में बेस एफएआर को कम करने का निर्णय लिया गया है। यह नए आवासीय क्षेत्र में लागू होगा। भोपाल के वर्तमान मास्टर प्लान 2005 में निम्न घनत्व आवासीय क्षेत्रों में 1.06 का प्रावधान किया गया था। इसे 1.75 किया गया। नए आवासीय क्षेत्र ग्रीनरी से भरे हुए हैं। लिहाजा 1.06 बेस एफएआर ही दिया जाएगा। बता दें कि प्रेमपुरा, सेवनिया गौड़, बरखेड़ी खुर्द, खुदागंज, मेंडोरा, मेंडोरी समेत अन्य क्षेत्रों को निम्न आबादी घनत्व में शामिल किया गया है।

दावे-आपत्ति पर सुनवाई के बाद चार माह में नया मास्टर प्लान

अफसरों ने बताया कि धारा 19 (2) के तहत संशोधित मास्टर प्लान के प्रस्तावित प्रावधानों पर दावे-आपत्तियां बुलाई जाएंगी। तीस दिनों के अंदर यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यदि आवश्यक हुआ, तो सरकार एक बार फिर संशोधन करेगी। साथ ही मास्टर प्लान का अंतिम प्रारूप तैयार कर प्रकाशित किया जाएगा। अफसरों ने बताया कि चार माह के अंदर भोपाल मास्टर प्लान लागू करने का लक्ष्य निर्धारित है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	हरि भूमि	भोपाल	03.06.2023	08	भोपाल मेट्रो बोगी की डमी स्मार्ट सिटी पार्क मे रखी जाएगी	Neutral

प्लेटफार्म बनना शुरू

भोपाल मेट्रो बोगी की डमी स्मार्ट सिटी पार्क में रखी जाएगी

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल में मेट्रो की सुविधा शुरू होने से पहले एक मॉकअप यानी डमी मेट्रो आएगी। इसको इस माह लाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में इसे रखने के लिए प्लेटफार्म बनना शुरू हो गया है। इसमें एक कोच और इंजन होगा। इसमें बैठकर जनता मेट्रो का अनुभव ले सकेगी। यह मॉक-अप मेट्रो बनाने वाली कंपनी एल्सटॉम बनाकर भेजेगी। जानकारी के मुताबिक इस मॉक-अप को लाने का उद्देश्य लोगों को मेट्रो के प्रति जागरूक करना है। इसे देखकर लोग मेट्रो की सुविधाओं को समझ और जान सकेंगे। अभी इसको स्थापित करने को लेकर हायर लेवल पर चर्चा चल रही है। भोपाल मेट्रो का प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रायल सितंबर में होना है। पटरियां बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। अभी सुभाष नगर से आरकेएमपी तक पटरियां बिछाई जा रही हैं। जबकि यहां से सुभाष नगर तक भी दो माह में पटरी बिछना है। इसलिए दो और अत्याधुनिक वेल्डिंग मशीन भोपाल पहुंच गई। यह मशीन देर रात को पुल वायडक्ट पर क्रेन से चढ़ाई गई।

MPMETRO

METRO NEWS

4th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Times of India	Bhopal	04.06.2023	2	Growth on wheels for City of Begums: Metro to make Bhopal a 'metro city'	Neutral

Growth on wheels for City of Begums: Metro to make Bhopal a 'metro city'

Ramendra.Singh
@timesgroup.com

Bhopal: Bhopal is a continually growing city as it is situated in the most dynamic and central location in Madhya Pradesh. The public transport of the city has to be improved on a world-class level since Bhopal will become an established business and residential place in the coming future. Hence, the government of Madhya Pradesh has decided to provide highly efficient metro rail to enhance the quality of life in the city.

Metro rail is a fast, comfortable and high-volume carrying mode of ransit within the city. Bhopal Metro Project is designed for the operational speed of 90 Kmph, consisting 6 lines and stabling lines with one branch line on line 3, running across 86 stations out of which 72 are elevated stations, 5 are underground stations and 9 are grade raised stations supported by Depot area and workshops. The total length of metro rail is proposed to be 95.03 km.

In the first phase two lines Red and Purple are under implementation with a total of 30 stations out of which two are underground and cumulative length of 28.5 Kms (Actual length may vary depending on site conditions). Bhopal MRTS Project has been divided into 3 phase on the basis of metro lines and their construction period. Each phase of the project is planned to be constructed in 4 years. Phase wise implementation plan of the project.

For the Phase 1 of Bhopal Metro Rail Project, the line 2 and line 5 i.e. purple and red line have been selected. These lines have been taken up in the first phase as they are serving the most populated area which is 27% of Bhopal's Population. This population is also the target ridership based in the core area in the city. This in turn helps in decongesting the traffic in these core areas while providing a faster and affordable transit option. Connecting major locations like Roshanpura, MP Nagar, AIIMS and others.

MASTER PLAN PUSH FOR METRO

Line 1 Bairagarh-Awadhpuri 21.33km

Line 2 Karond Circle- AIIMS 14.99km

Line 3A Airport-Vasant Kunj 1.12km

Line 3B Bhauri Bypass-Junction 11.68 km

Line 4 Ashoka Garden-Mother Teresa School 16.91km

Line 5 Bhadbhada Square-Ratnagiri Tiraha 12.88km

Line 6 Mandidepp-Habibganj Stn 14.98km

TOTAL 95.03 km

MERGING NEW & OLD INFRA, THE TOD WAY

- Transit Oriented Development Zone or TOD zone is delineated as an overlay zone along the Phase–I of the MPMRCL's metro. The zone shall also become applicable along the future phases of the metro corridor as and when they are approved by the government and notified by the appropriate authority

The purpose of this zone is to allow and enable more people to live and work near the Metro Corridor

- The zone has been delineated 500 meter on either side of the metro alignment. Principally, all plots falling completely or partially within the 500 meter buffer from the metro alignment shall be included in TOD
- This zone is made up of existing, older structures which shall be incentivized to redevelop with higher FAR

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	दैनिक जागरण	भोपाल	05.06.2023	3	मेट्रो के सबसे महत्वपूर्ण सेक्शन डिपो की चार माह बाद होगी टेस्टिंग, सब-स्टेशन, कंट्रोल रूम का काम 50 फीसदी पूरा	Neutral

दैनिक जागरण
भोपाल, 05 जून 2023

राजधानी जागरण

• 11 • राज्य • 31 • संस्करण   मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्र

छाया : एसडी वर्मा

मेट्रो के सबसे महत्वपूर्ण सेक्शन डिपो की चार माह बाद होगी टेस्टिंग, सब-स्टेशन, कंट्रोल रूम का काम 50 फीसदी पूरा

26 हेक्टेयर में मेट्रो डिपो में पहले होगा प्रायोरिटी सेक्शन के तहत निर्माण

81 डिब्बों के रखरखाव समेत हाईटेक मेंटेनेंस का होगा काम

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। मेट्रो के संचालन के लिए बेसिक डेवलपमेंट में डिपो से टेस्टिंग चार माह बाद होगी। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने डिपो के तकनीकी और सिविल वर्क संबंधित कवायद तेज कर दी है। सुभाष नगर आरओबी के पास 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 333.9 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन डिपो का डेवलपमेंट दो भागों में जारी है। मेट्रो संचालन के उद्देश्य से प्रायोरिटी सेक्शन को तैयार किया जा रहा है।

अफसरों ने बताया कि डिपो मेट्रो प्रोजेक्ट का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। डिपो का निर्माण बीते साल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था। 14 माह के अंदर बेसिक सिविल स्ट्रेक्चर का निर्माण किया जा रहा है। इसमें न सिर्फ मेट्रो रखरखाव होगा बल्कि संचालन के लिए हाईटेक सब स्टेशन, कंट्रोल रूम, इंस्पेक्शन वे, स्टेबलिंग वे, वाशिंग जोन और टेक्निकल संबंधित महत्वपूर्ण काम होंगे। इन सभी जोन और सेक्शन का 50 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। वर्कशॉप के लिए मशीनों को लगाने का काम भी जारी है। बता दें कि डिपो का काम भी केईसी इंटरनेशनल कंपनी के जिम्मे हैं। अनुबंध के मुताबिक आगामी 15 सालों तक कंपनी को डिपो का रखरखाव करना होगा।

नेशनल ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के नियमों के तहत हो रहा निर्माण

अफसरों ने बताया कि डिपो का निर्माण भी नेशनल ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के नियमों के तहत किया जा रहा है। डिपो से रोजाना निकलने वाले वेस्ट का शत प्रतिशत निष्पादन भी इसी क्षेत्र में होगा। इसके लिए हाईटेक ईटीपी यूनिट भी लगाई जाएगी। ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट से बिजली की आवश्यकता भी न्यूनतम होगी।

मेट्रो ट्रेन के 27 सेट रखने की होगी जगह

डिपो में मेट्रो के 27 सेट रखने की जगह होगी। एक सेट में तीन डिब्बे होंगे। इस हिसाब से कुल 81 डिब्बे डिपो में खड़े हो सकेंगे। एक ट्रेक पर अधिकतम पांच मेट्रो ट्रेन के सेट खड़े हो सकेंगे।

डिपो में 880 एचएच का बिछाया जा रहा 4 किलोमीटर लंबा ट्रेक

एलिवेटेड रूट से डिपो तक मेट्रो को लाने के लिए प्रायोरिटी सेक्शन के तहत चार किलोमीटर लंबा ट्रेक बनाया जा रहा है। हालांकि बाद में इसका कुल विस्तार 13 किलोमीटर का होगा। इसके अलावा एक जंक्शन भी तैयार किया जा रहा है। इसमें 85 डिग्री का कर्व होगा। अफसरों ने बताया कि इस ट्रेक पर 880 एचएच की पटरी बिछाई जा रही है। इस क्षमता की पटरी डिपो में बिछाई जाती है। एलिवेटेड रूट पर 1000 एचएच से ज्यादा क्षमता की पटरी बिछाई जाती है।

प्रायोरिटी सेक्शन के तहत यह है डिपो की प्लानिंग

- **इंटर ट्रेक :** मेट्रो एलिवेटेड रूट से डिपो में प्रवेश के लिए यह ट्रेक बनाया जा रहा है। यहां मेट्रो ट्रेक की ऊंचाई के कारण 45 डिग्री कंटूर से मेट्रो ट्रेक पर उतरेगी।
- **ऑटो वाशिंग एरिया :** इस सेक्शन में अत्याधुनिक मशीनों से मेट्रो की वॉशिंग होगी। वॉशिंग तीन स्तर पर होगी। धुलाई से लेकर सुखाने तक का काम मशीनों से होगा।
- **इंस्पेक्शन वे :** इस जोन में मेट्रो की दो रिपोर्ट तैयार होगी। पहला फिजिकल और दूसरी टेक्नीकल। फिजिकल में स्ट्रक्चर संबंधित सुधार होंगे। टेक्नीकल में मेट्रो के डिब्बों में तकनीकी समस्याओं का सुधार किया जाएगा।
- **लोडिंग वे :** इस सेक्टर से हाईटेक मशीनों से मेट्रो को ट्रेक से उतारने और चढ़ाने का काम किया जाएगा। साथ ही मेट्रो के डिब्बों का भी परिवहन किया जा सकेगा। रिपेयरिंग वर्क में लोडिंग वे सेक्शन सबसे महत्वपूर्ण है।
- **स्टेबलिंग वे :** मेट्रो के मेंटनेंस के बाद स्टेबलिंग वे में लाया जाएगा। इसकी क्षमता एक साथ 81 डिब्बों को रखने की होगी। साथ ही मेट्रो के छोटे-छोटे काम किए जा सकेंगे।
- **कंट्रोल रूम :** डिपो में दो कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। पहले कंट्रोल रूम में डिपो से संबंधित सभी कामों की निगरानी होगी। दूसरे ऑपरेशन कंट्रोल रूम में मेट्रो के संचालन समेत तमाम तकनीकी गतिविधियां को नियंत्रित किया जाएगा।
- **सब स्टेशन :** मेट्रो के दो कुल सब स्टेशन की स्थापना डिपो में होगी। यहां मेट्रो लाइन से लेकर अलग-अलग सेक्शन के लिए बिजली आपूर्ति की जाएगी। मेट्रो लाइन में सीधे बिजली सप्लाई नहीं की जाती। सब स्टेशन से विद्युत आपूर्ति को नियंत्रित कर मेट्रो की स्पीड के हिसाब वॉट पावर के रूप में सप्लाई किया जाता है।

MPMETRO

METRO NEWS

6th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	06.06.2023	3	भदभदा चोराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच मेट्रो के दूसरे रूट का काम शुरू करने की तैयारी	Neutral

सूर्योदय : 05:33 सूर्यास्त : 07:04
भोपाल मंगलवार, 6 जून, 2023
www.rajexpress.co

राज महानगर

3

तापमान
अधिकतम 38.4
न्यूनतम 25.5

भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच मेट्रो के दूसरे रूट का काम शुरू करने की तैयारी

1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान, 13 स्टेशन भी बनेंगे, तीन साल का टारगेट

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक मेट्रो का दूसरा रूट बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके साथ 13 स्टेशन भी बनाए जाएंगे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसके निर्माण पर 1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अगले साल निर्माण कार्य जमीन पर दिखने लगेगा। दूसरा रूट तैयार करने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की गई है। मेट्रो

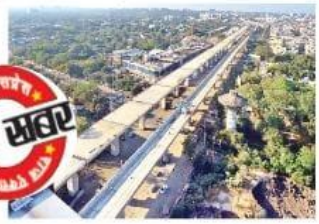

का दूसरा रूट करीब 13 किमी लंबा होगा। यह जमीन के ऊपर बनेगा। इसके लिए 13 एलिवेटेड स्टेशन बनाए जाएंगे। भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रेशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा पर स्टेशन बनेंगे। बताया जा रहा है गोविंदपुरा इंडिस्ट्रयल एरिया में स्टेशन नया जोड़ा गया है। मिंटो हॉल स्टेशन का नाम कुशाभाऊ ठाकरे हॉल कर दिया है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने रूट के साथ ही स्टेशन निर्माण के लिए एजेंसियों से ऑफर बुलाए हैं। यह कार्य यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) से मिलने वाले कर्ज से किया जाएगा।

सुभाष नगर से करोंद के लिए चल रही एजेंसी की तलाश

राजधानी में प्रायोरिटी कॉरिडोर यानि रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो का ट्रायल रन करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सितंबर की समय सीमा तय की है। इस डेडलाइन के पहले स्टेशन, ट्रेक, डिपो व अन्य जरूरी स्ट्रक्चर तैयार करने के लिए दिन-रात काम चल रहा है। इस बीच सुभाष नगर से करोंद के बीच मेट्रो का एलिवेटेड रूट, स्टेशन का काम भी इस साल चुनाव के पहले शुरू होने की संभावना है। इस पर 647 करोड़ रुपए खर्च किया जाएगा। छह स्टेशन भी बनाए जाएंगे। फिलहाल इसके लिए निर्माण एजेंसी की तलाश चल रही है। यह कार्य ईआईबी के लोन से किए जाएंगे।

ईआईबी से ले रहे 3000 करोड़ से अधिक का कर्ज

पहले चरण में एम्स से करोंद और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक मेट्रो रूट को शामिल किया गया है। डीपीआर के मुताबिक करीब 6962 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। पहले इसमें से अधिकांश राशि कर्ज के तौर पर जुटाने के लिए जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) से कई दौर की बातचीत चली। सैद्धांतिक सहमति भी मिल गई। हालांकि, जायका से लंबे समय तक राशि जारी नहीं हुई। ऐसे में मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से लोन लेने का प्रयास किया। यह सफल रहा। ईआईबी ने 3300 करोड़ से अधिक का कर्ज देने की मंजूरी दे दी। इसके लिए वर्ष 2019 में लोन एग्रीमेंट साइन किया। शर्तों के मुताबिक मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन हर कार्य की मंजूरी के लिए ईआईबी को भेजता है। वहां से हरी झंडी मिलने पर आगे की प्रक्रिया की जाती है।

MPMETRO

METRO NEWS

7th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	नव दुनिया	भोपाल	07 .06.2023	3	भूमिगत मेट्रो ट्रैक को छह शर्तों पर अनुमति	Neutral

भूमिगत मेट्रो ट्रैक को छह शर्तों पर अनुमति

सुविधा ● पुल बोगदा से ऐशबाग तक होगा निर्माण, कलेक्टर बोले- लोगों को असुविधा न हो, यातायात ठीक रहे

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी के अंदर पुल बोगदा से ऐशबाग तक बनने वाले पहले भूमिगत मेट्रो ट्रैक निर्माण को हरी झंडी मिल गई है। इसके साथ ही सिंधी कालोनी से करोंद तक जमीन के ऊपर बनने वाले ट्रैक को भी स्वीकृति मिली है। कुल मिलाकर सात किलोमीटर ट्रैक निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। यह अनुमति कलेक्टर ने आमजन को असुविधा न हो, सुरक्षा व यातायात व्यवस्थित रहे, जैसी शर्तों के आधार पर दी है। अब मेट्रो के काम में तेजी आएगी।

उल्लेखनीय है कि मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड ने 13 अप्रैल को कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र लिखकर मेट्रो पैकेज बीएच -3 के लिए पुलबोगदा से ऐशबाग और सिंधी कालोनी से करोंद तक लगभग सात किमी में निर्माण के लिए अनुमति मांगी थी। इस पर कलेक्टर ने निर्माण आरओडब्ल्यू की स्वीकृति विभिन्न शर्तों के आधार पर दी है।

मेट्रो रेल के लिए राजधानी में अलग-अलग जगहों पर स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें एम्स से लेकर सुभाष नगर अंडरब्रिज तक के रूट पर आठ मेट्रो स्टेशन बन रहे हैं। इसमें एम्स, अलकापुरी, डीआरएम आफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, बोर्ड आफिस चौराहा, एमपी नगर जोन-2, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर स्टेशन शामिल हैं।

इन छह शर्तों पर दी अनुमति

- निर्माण कार्य शुरू करने से पहले ठेकेदार को संबंधित अधिकारियों और विभागों से अनुमति लेनी होगी।
- निर्माण कार्य के दौरान किसी भी तरह की आमजन से जुड़ी सुविधाओं का नुकसान नहीं होना चाहिए।
- यातायात बाधित न हो, इसलिए योजना के तहत पुलिस से बेहतर ट्रैफिक डायवर्सन की अनुमति लेनी होगी।
- सात किमी में होने वाले निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों।
- निर्माण कंपनी द्वारा कार्य शुरू करने से पहले ही आवश्यक डायवर्सन और संकेतक पहले से ही लगाना चाहिए।
- सार्वजनिक संपत्ति को किसी तरह की क्षति होती है तो उसका निर्माण भी कंपनी द्वारा कराया जाएगा।

सिंधी कालोनी से करोंद तक जमीन के ऊपर ट्रैक

राजधानी में एम्स, अलकापुरी, डीआरएम आफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, बोर्ड आफिस चौराहा, एमपी नगर जोन-2 समेत कई प्रमुख स्थानों पर मेट्रो स्टेशन का काम तेज गति से किया जा रहा है। ● फाइल फोटो

यहां पार्किंग और फूड प्लाजा

- नादरा बस स्टैंड - 24 एकड़ की जेके मिल भूमि पर शैड्स-पार्किंग बनेगी।
- सिंधी कालोनी - 0.262 पार्किंग, फूड प्लाजा का निर्माण किया जाएगा।
- डीआइजी बंगला - 1.90 एकड़ जमीन, मेट्रो स्टेशन, पार्किंग बनेंगे।
- बीजीबीटी कालेज गेट- 0.042 एकड़ जमीन यार्ड के लिए आरक्षित की है।
- कृषि उपज मंडी - 2.8 एकड़ ओपन जमीन, मेट्रो के लिए बड़ा कर्व बनेगा।

प्लेटफार्म नंबर छह की तरफ बनेगा पहला भूमिगत स्टेशन

पुल बोगदा के पास ऐशबाग क्रांसिंग से आगे मेट्रो भूमिगत हो जाएगी। पहला भूमिगत स्टेशन भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म छह की तरफ बनेगा। नादरा बस स्टैंड भी भूमिगत रहेगी। सिंधी कालोनी स्टेशन से मेट्रो लाइन फिर ऊपर आ जाएगी। अगला स्टेशन डीआईजी बंगला, कृषि मंडी और करोंद होगा। पुल बोगदा से आगे छह स्टेशन बनेंगे।

मेट्रो रेल कार्पोरेशन द्वारा पत्र लिखकर सात किमी में ट्रैक निर्माण की अनुमति मांगी थी, जो कुछ शर्तों के साथ दे दी है। पहले कार्पोरेशन को यातायात, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाएं करनी होंगी।

-आशीष सिंह, कलेक्टर

23 सितंबर से शुरू करना है मेट्रो का संचालन, शुरुआत में दो लाइनों में मेट्रो चलाने का लक्ष्य

मेट्रो रेल कार्पोरेशन एम्स से सुभाष ब्रिज तक 6.22 किलोमीटर का प्रायोरिटी कारिडोर तैयार कर रहा है। सितंबर 2023 से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से सुभाष ब्रिज तक मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। बता दें कि शुरुआती दो लाइनों पर मेट्रो ट्रेन चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी लागत लगभग 7000 करोड़ रुपये है। इसमें 3500 करोड़ रुपये यूरोपियन बैंक लोन के तौर देगा। फिलहाल उसकी पहली किस्त आना बाकी है। पिछले दिनों यूरोपियन बैंक की टीम ने दो माह पहले ही भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का दौरा किया था। सरकार ने भी हालिया बजट में 360 करोड़ रुपए भोपाल मेट्रो को दिए हैं।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	राज एक्सप्रेस	भोपाल	07 .06.2023	9	पुल बोगदा से करोंद तक सात किमी रूट पर शुरू होगा मेट्रो का काम, एनओसी जारी	Neutral

मेट्रो परियोजना : 39 एकड़ जमीन का होना है अधिग्रहण

पुल बोगदा से करोंद तक सात किमी रूट पर शुरू होगा मेट्रो का काम, एनओसी जारी

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

पुल बोगदा से लेकर ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी और करोंद तक सात किमी मेट्रो का रूट तैयार किया जाना है। जल्द इसके लिए कार्य शुरू होगा। मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को एनओसी जारी की है। हालांकि यह एनओसी कुछ शर्तों के साथ दी गई है, जिसका पालन मेट्रो को करना होगा। दरअसल, मेट्रो का पहला रूट करोंद से एम्स 16.92 किलोमीटर का है, जिसका पहला फेस सुभाष नगर से एम्स 6.22 किमी तक है। इसका 90 फीसदी काम पूरा हो गया है। इससे आगे के रूट पर पुल बोगदा जहां मेट्रो का जंक्शन बनेगा। पर्पल और रेड लाइन एक दूसरे को क्रॉस करेंगी, वहां से आगे के ट्रैक के लिए हरी झंडी हो गई है। इस रूट में 39 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।

यहां होना है जमीनों का अधिग्रहण

- आरा मशीनों की शिफ्टिंग के साथ सिंधी कॉलोनी से डीआईजी बंगला चौराहा, ग्रांड होटल से रेलवे स्टेशन तक जमीनों का अधिग्रहण किया जाना है।
- बोगदा पुल से करोंद चौराहे के बीच पुट्ठा मिल की 24 एकड़ जमीन सहित बड़ा बाग कब्रिस्तान की 2.4 एकड़ जमीन भी ली जानी है।
- भोपाल टॉकीज से अंडरग्राउंड ट्रेन एलिवेटिड रूट पर आएगी। इसके लिए पीएंडटी विभाग की 0.262 एकड़ जमीन लेनी है। इसके बाद ही मेट्रो का रूट विलयर होगा।

मेट्रे के आगे के सात किमी रूट पर इन जमीनों का होगा अधिग्रहण

- 2.1 एकड़, सुभाष नगर से पुल बोगदा तक बाया डवट, मशीन से अंडरग्राउंड काम शुरू होगा।
- पुल बोगदा पर मैन जंक्शन के लिए सबसे ज्यादा जगह की जरूरत है। यहां सिर्फ जंक्शन के लिए 0. 48 एकड़।
- आरा मशीनों के पास अलग-अलग टुकड़ों में 0.008, 0.184, 0.12, 0.10 एकड़ जमीन। इन जमीनों पर आरा मशीनें लगी है। जो जल्द ही शिफ्ट होंगी।
- ग्रांड होटल के आगे 0.13 और 0.092 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है।
- 0.046 एकड़ ग्रांड होटल के पीछे ये जमीन न्यू वल्लभ गृह निर्माण सोसायटी के पास है।
- 0.39 एकड़ जमीन नवाब साजिया सुल्तान के नाम पर खसरे में दर्ज है। इस जमीन का अधिग्रहण किया जाना है।

इन शर्तों का करना होगा पालन

ठेकेदार काम शुरू करने से पहले संबंधित विभागों से एनओसी लेगा। उसके बाद ही कार्य शुरू करेगा। मेजर कंस्ट्रक्शन के पहले संबंधित विभाग को सूचित करना अनिवार्य होगा। ट्रेफिक डायवर्सन करने से पहले ट्रेफिक पुलिस से डायवर्सन प्लान स्वीकृत कराना होगा। कंस्ट्रक्शन के दौरान पब्लिक प्राप्टी को नुकसान पहुंचने पर एजेंसी अपने खर्च पर उसे दुरूस्त कराएगी।

इनका कहना है

पुल बोगदा से आग के रूट के लिए एनओसी जारी कर दी है। अब जहां जमीनों का अधिग्रहण होना है, उसे शुरू कराया जाएगा। आरा मशीनों की शिफ्टिंग होगी और जहां से अतिक्रमण हटना है उसे हटवाया जाएगा।

आशीष सिंह, कलेक्टर

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	पत्रिका	भोपाल	07.06.2023	2	पुल बोगड़ा जंक्शन से 7 किमी बिछेगा ट्रैक, सात स्टेशन बनेगे	Neutral

पत्रिका

#MetroBhopal जिला प्रशासन ने जारी की मेट्रो के सेकंड फेस की एनओसी, जल्द होगा भूमि अधिग्रहण

नादरा बस स्टैंड होगा अंडरग्राउंड

पुल बोगदा जंक्शन से 7 किमी बिछेगा ट्रैक, सात स्टेशन बनेंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो के काम के अलावा जल्द ही अब पुल बोगदा से लेकर ऐशबाग, सिंधी कॉलोनी और करोद तक सात किमी मेट्रो रूट का काम शुरू होगा। मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को एनओसी जारी की। अब जिला प्रशासन इस रूट पर अतिर मण हटाने और जमीन अधिग्रहण का काम शुरू करेगा।

16.92 किमी का पहला रूट

मेट्रो का पहला रूट करोंद से एम्स 16.92 किलोमीटर का है। इसका पहला फेस सुभाष नगर से एम्स 6.22 किमी तक है। इसका 90 फीसदी काम पूरा हो गया है। पटरियां बिछ रही हैं। पुल बोगदा पर मेट्रो का जंक्शन बनेगा। पर्पल और रेड लाइन एक दूसरे को क्रॉस करेंगी। यहां से आगे के ट्रैक को हरी झंडी मिल गई है।

पुल बोगदा से आगे के रूट के लिए एनओसी जारी कर दी है। अब जमीनों का अधिग्रहण और आरा मशीनों की शिफ्टिंग होगी। काम अब तेजी से होगा।

आशीष सिंह, कलेक्टर

यहां जमीनों का अधिग्रहण

आरा मशीनों की शिफ्टिंग के साथ सिंधी कॉलोनी से डीआईजी बंगला चौराहा, ग्रांड होटल से रेलवे स्टेशन तक भू अधिग्रहण होगा। यहां कुछ जमीन औकाफ की भी है। इसका मुआवजा मिलेगा।

कब्रिस्तान की भी जमीन

बोगदा पुल से करोंद चौराहे के बीच पुट्ठा मिल की 24 एकड़ जमीन सहित बड़ा बाग कब्रिस्तान की 2.4 एकड़ जमीन ली जाएगी।

पीएंडटी की भूमि जाएगी

भोपाल टॉकीज से अंडरग्राउंड ट्रेन एलिवेटिड रूट पर आएगी। यहां पीएंडटी विभाग की 0.262 एकड़ जमीन ली जाएगी।

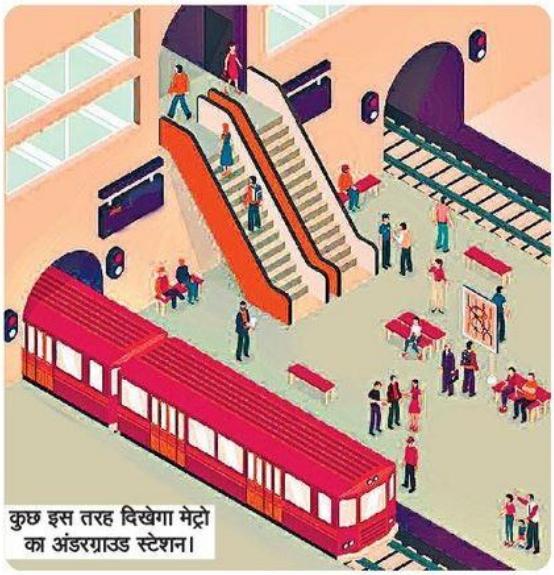

कुछ इस तरह दिखेगा मेट्रो का अंडरग्राउड स्टेशन।

लास्ट स्टेशन करोद पुल बोगदा जंक्शन से आगे अगला स्टेशन ऐशबाग है। यहां से मेट्रो अंडरग्राउड जाएगी। नादरा बस स्टैंड का स्टेशन अंडर ग्राउंड है। इससे आगे सिंधी कॉलोनी स्टेशन, डीआइजी बंगला स्टेशन, कृषि उपज मंडी और लास्ट स्टेशन करोद सर्किल है।

सात किमी का यह रहेगा मेट्रो रूट

- 2.1 एकड़, सुभाष नगर से पुल बोगदा तक बाया डक्ट, अंडरग्राउंड काम
- पुल बोगदा पर मेन जंक्शन के लिए 0.48 एकड़ जमीन
- शहर सर्किल में एक तरफ 1.49 एकड़ ऐशबाग स्थित पातरा नाले से पहले 0.53 एकड़, इससे आगे 0.54 एकड़, आजाद नगर बस्ती की जमीन
- आरा मशीनों के पास अलग-अलग टुकड़ों में जमीन
- ग्रांड होटल के आगे 0.13 और 0.092 एकड़ जमीन
- 0.046 एकड़ ग्रांड होटल के पीछे न्यू वल्लभ गृह निर्माण सोसायटी की
- 0.39 एकड़ जमीन नवाब साजिया सुल्तान की

Date: 07/06/2023, Edition: Bhopal, Page: 2
Source : https://epaper.patrika.com/

MPMETRO

METRO NEWS

8th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	नव दुनिया	भोपाल	08.06.2023	4	मेट्रो मार्ग मे बाधा बने निर्माण हटें मुआवजा भी मिलेगा	Neutral

04 नवदुनिया
भोपाल, गुरुवार 08 जून, 2023

मप्र मेट्रो कार्पोरेशन फिर कराएगा सर्वे

मेट्रो मार्ग में बाधा बने निर्माण हटेंगे प्रभावितों को मुआवजा भी मिलेगा

राजधानी मे मेट्रो का काम तेज गति से किया जा रहा है। ● फाइल फोटो

- भोपाल टाकीज से करोंद तक 300 निर्माण किए थे चिह्नित, फिर होगा सर्वे
- संपत्ति मालिक के पास वैध दस्तावेज हैं तो दिया जाएगा पर्याप्त मुआवजा

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में भोपाल टाकीज से करोंद तक मेट्रो के लिए सात किमी का एलिवेटेड रुट बनाने के लिए जिला प्रशासन से अनुमति मिल गई है, लेकिन इस मार्ग का निर्माण करने से पहले मार्ग में बाधक बन रहे मकान और दुकानों को हटाना पड़ेगा। यदि इस संपत्ति के वैध दस्तावेज संपत्ति मालिक के पास है, तो उसे उचित मुआवजा भी दिया जाएगा। हालांकि इसके पहले एक बार संभावित एलिवेटेड कारिडोर के दोनों ओर 300 निर्माण चिह्नित किए गए थे। अब इस मार्ग के दोनों ओर फिर से सर्वे किया जाएगा।

मप्र मेट्रो कार्पोरेशन के अफसरों ने बताया कि उनके पास काम करने के लिए पर्याप्त क्षेत्र है। ऐसे में निर्माण के दौरान समस्याएं नहीं आना चाहिए। सिंधी कालोनी चौराहे से डीआईजी बंगले के बीच परेशानी आएगी। इसी रूट में 95 फीसदी से ज्यादा बाधाएं हैं, जिन्हें निर्माण के दौरान हटाया जाएगा। अधिकारियों की मानें तो बड़ा बाग से करोंद तक मेट्रो की लाइन सड़क के बीच में रहेगी। इसलिए काम के दौरान ज्यादा परेशानी नहीं आनी चाहिए। सड़क के दोनों ओर निर्माणों को तोड़ने जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

भोपाल टाकीज से करोंद के बीच होंगे चार स्टेशन

सात किलोमीटर के इस एलिवेटेड कारिडोर में पहला स्टेशन भोपाल टाकीज और सिंधी कालोनी के बीच बड़ा बाग हो सकता है। सिंधी कालोनी से मेट्रो जमीन के बाहर आ जाएगी। इसके बाद डीआईजी बंगला, कृषि उपज मंडी और करोंद पर भी मेट्रो स्टेशन रहेंगे।

मेट्रो परियोजना के प्रथम चरण में एम्स से सुभाष नगर तक प्रायरिटी कारिडोर बनाया जा रहा है।

इसके बाद दूसरे चरण में सुभाष नगर से करोंद तक मेट्रो लाइन डाली जानी है। यहां कुछ स्थानों पर अतिक्रमण है। जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर इन स्थानों को चिह्नित किया जाएगा।

– **मनीष सिंह,** एमडी एमपी मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	हरि भूमि	भोपाल	08.06.2023	3	देश मे सबसे तेज गति की निर्माण प्रणाली है भोपाल मेट्रो रेल	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 8 जून 2023

नवंबर 2021 में मुख्यमंत्री के भूमिपूजन के बाद मात्र डेढ़ साल में भोपाल मेट्रो रेल संचालन की स्थिति में

देश में सबसे तेज गति की निर्माण प्रणाली है भोपाल मेट्रो रेल

सीरीज 1 मेट्रो के निर्माण की रफ्तार

बीएच.01 के अंतर्गत ऐलिवेटिड पुल, वायडक्ट के डिज़ाइन तथा निर्माण जिसकी लम्बाई 6.225 किमी, एम्स से सुभाष नगर का कार्य

निर्माण की गति ने नागपुर को भी पीछे छोड़ा, जो अभी तक देश में नंबर वन माना जाता था

इस वर्ष बजट में 710 करोड़ रुपए का प्रावधान होने से भोपाल मेट्रो रेल संचालन को मिली गति

आनंद सक्सेना ▸▸ भोपाल

मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अंतर्गत भोपाल एवं इंदौर शहरों में मेट्रो रेल परियोजना का कार्य तेजी से चल रहा है। सबसे खास बात यह है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने नवंबर 2021 में भोपाल मेट्रो रेल के लिए भूमि पूजन किया और मात्र डेढ़ साल में ऐलिवेटिड पुल वायडक्ट का निर्माण होने के साथ ही प्रॉयारिटी कॉरीडोर पर इसी वर्ष सितंबर में ट्रायल रन को मूर्तरूप दे दिया जाएगा। पहले चरण में एम्स से करोंद चौराहा तथा भदभदा चौराहे से रत्नागिरी तिराहे तक दो अनुमोदित मेट्रो कॉरिडोर एवं इंदौर शहर में अनुमोदित मेट्रो रिंग कारिडोर बंगाली स्क्वायर-भंवरसाला, एयरपोर्ट-बंगाली स्क्वायर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। मेट्रो कंपनी के अनुसार भारत सरकार, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 30 नवंबर 2018 को 6941.40 करोड़ की लागत से भोपाल मेट्रो परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके उपरांत भूमि अधिग्रहण आदि की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा नवंबर 2021 मे 426.67 करोड़ की लागत से 8 मेट्रो स्टेशन की नींव रखी गई, उसके उपरांत सभी कार्य द्रुत गति से चल रहे हैं।

प्रायोरिटी कॉरिडोर में 8 ऐलिवेटिड स्टेशन

भोपाल मेट्रो रेल का सबसे महत्वपूर्ण कार्य पुल वायडक्ट के अलावा बीएच 02 के अंतर्गत 8 ऐलिवेटिड स्टेशन का है। यह स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस चौराहा, केन्द्रीय विद्यालय और सुभाष नगर में लगभग बनकर तैयार हैं। इनका डिजाईन तथा निर्माण एवं पुल वायडक्ट का कार्यादेश शुरू में ही जारी कर दिया गया था, जिस पर अनुमानित लागत 426.67 करोड़ रुपए है। इनका अब अंदरूनी कार्य चल रहे हैं, जो अगस्त माह के पहले हफ्ते में पूरे हो जाएंगे और सितंबर माह में ट्रायल रन को मूर्तरूप दे दिया जाएगा।

प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए सभी सिविल कार्य पूरे हुए, बिछने लगीं पटरी

भोपाल मेट्रो रेल निर्माण में सबसे पहले बीएच-01 भोपाल में चल रहे कार्य को बीएच नाम दिया गया है, 01 का मतलब पहला आदेश के अंतर्गत ऐलिवेटिड पुल वायडक्ट के डिजाइन तथा निर्माण जिसकी लम्बाई 6.225 किमी एम्स से सुभाष नगर का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य पर अनुमानित 247.6 करोड़ लागत आएगी। जबकि प्रायोरिटी कारिडोर के लिए सभी सिविल कार्य निविदाओं को अंतिम रूप प्रदान कर दिया गया है जिससे इस साल अगस्त के आखिरी सप्ताह में आखिरी निरीक्षण ट्रायल के लिए पूरा हो सके। भोपाल मेट्रो रेल अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष बजट सत्र में 710 करोड़ रुपए राज्य की ओर से आवंटित करने की घोषणा कर प्रावधान कर दिया गया है। साथ ही केंद्र की तरफ से दी जाने वाली राशि शेयर भी जल्द ही प्राप्त हो जाएगी। इस कारण एक काम भी ऐसा नहीं बचा जो राशि के कारण रुकने की आशंका हो।

MPMETRO

METRO NEWS

10th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	हरि भूमि	भोपाल	10.06.2023	2	मेट्रो: सुभाष नगर डिपो को गोविंदपुरा चम्बल ग्रिड स्टेशन से मिलेगी बिजली	Neutral

2.5 किमी लंबी अंडर ग्राउंड केबल से होगी 132 किलोवाट की बिजली सप्लाई

मेट्रो: सुभाष नगर डिपो को गोविंदपुरा चंबल ग्रिड स्टेशन से मिलेगी बिजली

मेट्रो के निर्माण सीरीज-2 की रफ्तार

आनंद सक्सेना ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो रेल का ट्रायल सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सितंबर माह में होना है। इसके लिए प्रायोरिटी कॉरिडोर के पुल (वायडक्ट) का काम लगभग पूरा हो गया है। अब पटरी बिछने के साथ इलेक्ट्रिफिकेशन का काम भी काफी तेजी से चल रहा है। इसके लिए अंडर ग्राउंड केबल बिछाई जा रही है, जो गोविन्दपुरा चम्बल ग्रिड सब स्टेशन से सुभाष नगर डिपो तक रहेगी।

2.5 किमी लंबी अंडर ग्राउंड केबल से 132 किलोवाट की बिजली सप्लाई होगी। इसका भी 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है।

खास बातें

- 80 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है पूरा
- पटरियों के किनारे थर्ड रेल से चलेगी मेट्रो
- इस प्रणाली पर 516 करोड़ की अनुमानित लागत आएगी

दूसरे महानगरों की तरह मेट्रो चलाने बिजली के ओपन पोल नहीं लगेंगे: पुल (वायडक्ट) पर दूसरे महानगरों की तरह मेट्रो चलाने के लिए बिजली के ओपन पोल नहीं लगेंगे। इसकी जगह पटरियों के किनारे थर्ड रेल की लाइन बिछेगी। गोविन्दपुरा चम्बल ग्रिड सब स्टेशन से सुभाष नगर डिपो तक मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत जो काम चल रहे हैं, उनमें इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण व बिजली आपूर्ति प्राप्त करने वाले उप स्टेशन, आरएसएस, ट्रैक्शन सब-स्टेशन, टीएसएस, 750 वीडीसी तक की कमीशनिंग और स्काडा सिस्टम लगाया जा रहा है। यह मेट्रो को पूरी तरह से ऑटोमेटिक प्रणाली पर रखती है। इस प्रणाली पर 516 करोड़ रूपए की अनुमानित लागत आएगी।

पटरी बिछने का काम अगले माह पूरा होगा

भोपाल मेट्रो रेल संचालन के लिए प्रायोरिटी कॉरिडोर के पुल (वायडक्ट) का काम लगभग पूरा हो गया है। इस पर पटरी बिछाने का काम भी काफी तीव्र गति से रात और दिन चल रहा है। अभी तक 500 मीटर से ज्यादा प्रायोरिटी कॉरिडोर के पुल (वायडक्ट) पर पटरी बिछ चुकी है। इसके लिए एक वेल्डिंग मशीन पटरी बिछाने का काम कर रही थी, लेकिन प्रायोरिटी कॉरिडोर के पुल (वायडक्ट) पर पटरियां बिछाने का काम अगले माह तक पूरा करना है। इसलिए दो और अत्याधुनिक वेल्डिंग मशीन ने काम करना शुरू कर दिया।

बन रहे डिपो व वर्कशॉप

अधिकारियों के अनुसार सुभाष नगर में डिपो व वर्कशॉप बन रहा है। निर्माण पर अनुमानित 388.09 करोड़ लागत आएगी। फार्मेशन का कार्य भी तेजी से जारी है।

बिजली आपूर्ति होगी

मेट्रो रेल के लिए बिजली की सप्लाई मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी कर रही है। सुभाष नगर डिपो में आने वाली 132 किलोवाट की बिजली सप्लाई को 33 किलोवाट में कन्वर्ट करके स्टेशन पर सप्लाई होगा। इसकी आपूर्ति के लिए 750 वोल्ट डीजी थर्ड रेल पर आधारित होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	दैनिक भास्कर	भोपाल	10.06.2023	2	5 जुलाई तक प्रेस कॉम्प्लेक्स से इंकम टैक्स तिराहे तक की सड़क रहेगी बंद	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 10-06-2023 Pg-02

मेट्रो प्रोजेक्ट • ट्रैफिक पुलिस ने जारी किए दो डायवर्जन प्लान

5 जुलाई तक प्रेस कॉम्प्लेक्स से इनकम टैक्स तिराहे तक की सड़क रहेगी बंद

इन्फ्रास्ट्रक्चर रिपोर्टर | भोपाल

डीबी सिटी मॉल के पास मेट्रो रेल स्टेशन के निर्माण कार्य के लिए गर्डर लॉन्चिंग की जानी है। इसके लिए डीबी सिटी मॉल से बोर्ड ऑफिस चौराहे तक की सड़क रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद रखी जाएगी। ये काम शनिवार से 6 जुलाई तक चलेगा। इसी तरह केंद्रीय विद्यालय के पास मेट्रो रेल स्टेशन निर्माण के लिए प्रेस कॉम्प्लेक्स तिराहा से इनकम टैक्स तिराहा जाने वाली सड़क को बंद किया गया है। इस दौरान एमपी नगर से सुभाष नगर की ओर जाने वाला ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। हालांकि यह डायवर्जन शनिवार से 5 जुलाई तक जारी रहेगा।

रात 11 से सुबह 6 बजे तक रूट डायवर्ट

▪ डीबी सिटी मॉल से बोर्ड ऑफिस चौराहा और गायत्री मंदिर से बोर्ड ऑफिस चौराहा या रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन डीबी सिटी मॉल, होटल रेसीडेंसी, ज्योति टॉकीज, बोर्ड ऑफिस चौराहा होकर या शौर्य स्मारक, व्यापमं चौराहा, बोर्ड ऑफिस होकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की ओर जा सकेंगे। ▪ इसी प्रकार बोर्ड आफिस चौराहा से डीबी सिटी मॉल, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा या मैदा मिल की ओर जाने वाले वाहन पहले की तरह बोर्ड ऑफिस चौराहा से डीबी सिटी मॉल, वल्लभ भवन रोटरी, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा या मैदामिल की ओर जा सकेंगे।

इसी तरह... प्रेस कॉम्प्लेक्स तिराहा से इनकम टैक्स तिराहा, एसबीआई तिराहा तक आने जाने वाले वाहनों का आवागमन पूर्णतः बंद रहेगा। सिर्फ हल्के वाहनों को सुभाष नगर से एमपी नगर की ओर जाने दिया जाएगा। ये वाहन भी सुभाष नगर, इनकम टैक्स ऑफिस तिराहा, आरबीआई, भूजल भवन, बीएसएनएल ऑफिस, प्रेस कॉम्प्लेक्स तिराहा होकर एमपी नगर की ओर जा सकेंगे। इसी प्रकार एमपी नगर से सुभाष नगर की ओर जाने वाले वाहन प्रेस कॉम्प्लेक्स, बीएसएनएल ऑफिस, भूजल भवन, आरबीआई, इनकम टैक्स तिराहा होकर सुभाष नगर की ओर जा सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	10.06.2023	7	आज से 6 जुलाई तक रात मे बंद रहेगी डीबी माल से बोर्ड ऑफिस चोरहे तक की सड़क	Neutral

आज से 6 जुलाई तक रात में बंद रहेगी डीबी मॉल से बोर्ड आफिस चौराहे तक की सड़क

एमपी नगर से सुभाष नगर जाने वाला ट्रैफिक 5 जुलाई तक रहेगा डायवर्ट

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

मेट्रो रेल स्टेशन के निर्माण कार्य के चलते डीबी मॉल के पास गर्डर लांचिंग की जानी है। इसके लिए डीबी मॉल से बोर्ड आफिस चौराहे तक की सड़क रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद रखी जाएगी। ये काम शनिवार से 6 जुलाई तक चलेगा। इसी तरह केंद्रीय विद्यालय के पास मेट्रो रेल स्टेशन निर्माण के लिए प्रेस काम्प्लेक्स तिराहा से इनकम टैक्स तिराहा जाने वाली सड़क को बंद किया गया है।

इस दौरान एमपी नगर से सुभाष नगर की ओर जाने वाला ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। ये डायवर्सन भी शनिवार से 5 जुलाई तक रहेगा।

■ डीबी मॉल से बोर्ड आफिस चौराहा, गायत्री मंदिर से बोर्ड आफिस चौराहा या रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले वाहन डीबी सिटी मॉल, होटल रेसीडेंसी, ज्योति टाकीज, बोर्ड आफिस चौराहा होकर या शौर्य स्मारक, व्यापम चौराहा, बोर्ड आफिस होकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की ओर जा सकेंगे। ■ इसी प्रकार बोर्ड आफिस चौराहा से डीबी मॉल, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा या मैदा मिल की ओर जाने वाले वाहन पूर्वानुसार बोर्ड आफिस चौराहा से डीबी मॉल, वल्लभ भवन रोटरी, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा या मैदा मिल की ओर जा सकेंगे। ■ प्रेस काम्पलेक्स तिराहा से इनकम टैक्स तिराहा, एसबीआई तिराहा तक आने जाने वाले वाहनों का आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। ■ केवल हल्के वाहनों को सुभाष नगर से एमपी नगर की ओर जाने दिया जाएगा। ये वाहन भी सुभाष नगर, इनकम टैक्स आफिस तिराहा, आरबीआई, भूजल भवन, बीएसएनएल आफिस, प्रेस काम्पलेक्स तिराहा होकर एमपी नगर की ओर जा सकेंगे। ■ इसी प्रकार एमपी नगर से सुभाष नगर की ओर जाने वाले वाहन प्रेस काम्पलेक्स, बीएसएनएल आफिस, भूजल भवन, आरबीआई, इनकम टैक्स तिराहा होकर सुभाष नगर की ओर जा सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	नवदुनिया	भोपाल	10.06.2023	2	छह जुलाई तक रात 11 से सुबह छह बजे तक बंद रहें	Neutral

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य का असर

छह जुलाई तक रात 11 से सुबह छह बजे तक बंद रहेंगे कई मार्ग

शहर का ट्रैफिक व्यवस्थित चल सके, इसलिए व्यवस्था में किया बदलाव। ● फाइल फोटो

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट निर्माण के चलते लंबे समय से एमपी नगर क्षेत्र में कई मार्ग परिवर्तित किए गए हैं। अब डीबी सिटी के पास बन रहे मेट्रो ट्रेन स्टेशन को लेकर रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक डीबी सिटी तिराहा से बोर्ड आफिस चौराहे तक रास्ता बंद किया है। ट्रैफिक सुचारू चल सके, इसलिए छह जुलाई 2023 तक मार्ग परिवर्तित रहेंगे।

ये रास्ते रहेंगे बंद, इनका करें इस्तेमाल : डीबी सिटी से बोर्ड आफिस चौराहा एवं गायत्री मंदिर से बोर्ड आफिस चौराहा अथवा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तरफ जाने वाले वाहन डीबी सिटी से होटल रेसीडेंसी, ज्योति टाकीज से बोर्ड आफिस चौराहा होकर अथवा शौर्य स्मारक, व्यापम चौराहा से बोर्ड आफिस होकर रानी कमलापति स्टेशन की तरफ जा सकेंगे। इसी प्रकार बोर्ड आफिस चौराहा से डीबी सिटी तिराहा, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा या मैदा मिल की तरफ जाने वाली गाड़ी पहले की तरह बोर्ड आफिस चौराहा डीबी सिटी, वल्लभ भवन रोटरी, मंत्रालय, कोर्ट चौराहा अथवा मैदा मिल की तरफ जा सकेंगे।

केन्द्रीय विद्यालय के पास भी डायवर्सन : प्रेस काम्प्लेक्स तिराहा से इन्कम टैक्स तिराहा/एसबीआइ बैंक तिराहा तक गाड़ियों की आवाजाही पांच जुलाई तक पूरी तरह बंद रहेगी। हल्के वाहन/दो पहिया/चार पहिया गाडियां सुभाष नगर से एमपी नगर की तरफ जाने वाले वाहन सुभाष नगर, इन्कम टैक्स आफिस तिराहा, आरबीआइ बैंक,प्रेस काम्प्लेक्स तिराहा होकर एमपी नगर आवाजाही कर सकेंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	The Hitwad	Bhopal	10.06.2023	1	Many routes diverted, closed till July 6 for Metro work	Neutral

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-06-10 | Page- 1
ehitavada.com

Many routes diverted, closed till July 6 for Metro work

■ Staff Reporter

DUE to ongoing construction of Bhopal Metro many roads have been either diverted or closed for the safety of the general public use these routes or else you will get stuck in the jam. The road from DB City Mall (Gurudev Gupta Square) to Board Office Square has been closed during guard launching for the construction work of Metro rail station near DB City Mall from 11 pm to 6 o'clock. For smooth flow of traffic, the diversion of traffic from June 6, to July 6, will be as per rules during the construction work. Vehicles will be able to go to DB City Mall (Gurudev Gupta Square) to Board Office square and Gayatri Mandir to Board Office Square or Rani Kamalapati Railway Station via DB City Mall via Hotel Residency, Jyoti Talkies via Board Office Square or Shaurya Smarak, will be able to go towards Rani Kamalapati station from Vyapam Square via board office.

Similarly, vehicles going from Board Office Square towards DB City, Mantralaya, Court Square or Maida Mill will proceed as before from Board Office Square towards DB City Mall, Vallabh Bhawan Rotary, Mantralaya, Court Square or Maida Mill. On the other hand, during the construction work of metro station near Kendriya Vidyalaya, traffic going from MP Nagar towards Subhash Nagar has been diverted by closing the road from Press Complex Tiraha to Income Tax Tiraha.

An arieal view of the ongoing work of Bhopal Metro.

During the construction work, one month from June 6 to July 5 the diversion of roads will be as per rules. The movement of vehicles coming and going from Press Complex Tiraha to Income Tax Tiraha or SBI Bank Tiraha will be completely closed.

Light vehicles, two-wheelers, four-wheelers from Subhash Nagar to MP Nagar, Income Tax Office Tiraha, RBI Bank, BSNL Office, Press Complex will be able to move towards MP Nagar.

In case of any inconvenience, contact the traffic helpline phone number- 0755-2677340, 2443850.

MPMETRO

METRO NEWS

11th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	पत्रिका	भोपाल	11.06.2023	Iii	मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारियां	Neutral

आपकी न्यूज... आपके व्यूज
भेल पत्रिका ZOOM
भोपाल, रविवार 11 जून, 2023 | III
पिपलानी • अयोध्या नगर • गोविन्दपुरा • आनंद नगर • पटेल नगर • साकेत नगर • अवधपुरी • शास्त्री नगर
patrika.com

फोटो स्टोरी

मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारियां...

भोपाल. राजधानी में विकास कार्य तेजी से चल रहा है। शहर में एक ओर मेट्रो ट्रेन चलाने के लिए ट्रैक बनाया जा रहा है तो दूसरी ओर सड़क और ओवर ब्रिज का निर्माण जारी है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	हरि भूमि	भोपाल	11.06.2023	07	पुल बोगदा पर बनेगा मेट्रो का पहला इन्टर्चेन्ज स्टेशन का ट्रांसिट पॉइंट	Neutral

दूसरे रूट की मेट्रो का सफर करने में होगी यात्रियों को आसानी

पुल बोगदा पर बनेगा मेट्रो का पहला इंटरचेंज स्टेशन का ट्रांजिट पॉइंट

मेट्रो के निर्माण की रफ्तार

यात्रियों को स्टेशन नहीं बदलना पड़ेगा

समय की होगी बचत

मेट्रो रेल के लिए नहीं करना होगा इंतजार

आवाजाही अधिक होने से बढ़ेगा राजस्व

MPMETRO

METRO NEWS

12th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	हरि भूमि	भोपाल	12.06.2023	8	सभी रूट तैयार होने के बाद भोपाल मेट्रो चालक व ऑपरेटर विहीन रहेगी	Neutral

दिल्ली की एक लाइन में चालक व ऑपरेटर के बिना चल रही मेट्रो रेल

सभी रूट तैयार होने के बाद भोपाल मेट्रो चालक व ऑपरेटर विहीन रहेगी

मेट्रो के निर्माण की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल में मेट्रो रेल के ट्रायल में दो माह से भी कम समय बचा है, इसलिए मेट्रो रेल कंपनी का स्टाफ 24 घंटे सातों दिन ऐलिवेटिड पुल (वायडक्ट) व सर्फेश (जमीन) पर शेष बचे कार्यों को पूरा करने के लिए मेहनत कर रहा है। भोपाल मेट्रो की एक और खास बात यह है कि इस वर्ष सितंबर में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक उसका ट्रायल होने के बाद 2 या 3 साल में हर कोने तक मेट्रो के लिए सभी निर्माण पूरे कर लिए जाएंगे।

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, शुरुआत में मेट्रो ड्राइवर व ट्रेन ऑपरेटर चलाएंगे। इसके बाद करीब ढाई साल बाद ट्रेन बिना ड्राइवर व ऑपरेटर के चलाई जाएगी। बता दें कि अभी दिल्ली मेट्रो की एक लाइन में ही इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। मेट्रो हाईटेक टेली कम्युनिकेशन सिस्टम के तहत यह इमरजेन्सी हेल्प पॉइंट सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, पैसेंजर इनफार्मेशन सिस्टम, वॉयस रिकॉर्डिंग सिस्टम, सीसीटीवी आदि सुविधाओं से लैस होगी।

रोलिंग स्टॉक कारों का व्यापक रखरखाव 15 साल व सिग्नलिंग और ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए 7 साल तक व्यापक रखरखाव संबंधित निर्माण कंपनियों के पास ही रहेगा।

खास बातें

- भोपाल में मेट्रो रेल के ट्रायल में दो माह से भी कम समय बचा है
- मेट्रो स्टाफ 24 घंटे सातों दिन मेट्रो रेल के शेष बचे कार्यों को पूरा करने में जुटा हुआ है
- शुरुआत में मेट्रो ड्राइवर व ट्रेन ऑपरेटर चलाएंगे, ढाई साल बाद ऑटोमेटिक चलाई जाएंगी।

15 साल तक निर्माण कंपनी करेगी मेंटेनेंस

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के लिए रोलिंग स्टॉक कारों का व्यापक रखरखाव 15 साल तथा सिग्नलिंग और ट्रेन नियंत्रण और दूरसंचार प्रणालियों के लिए 7 साल तक व्यापक रखरखाव संबंधित निर्माण कंपनियों के पास ही रहेगा। साथ ही प्रायोरिटी कॉरिडोर से आगे की कुछ अन्य निविदाएं जैसे की बीएच 04 भूमिगत सेक्शन, बीएच 05 ब्लू लाइन के लिए भी नोटिफिकेशन जारी कर दी गई है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	दैनिक भास्कर	भोपाल	13.06.2023	J4	जून अंत तक स्मार्ट रोड पर लगेगा मेट्रो का माक अप	Neutral

भोपाल **13-06-2023**

जून अंत तक स्मार्ट रोड पर लगेगा मेट्रो का मॉक अप

भोपाल | राजधानी में मेट्रो का मॉक अप जून अंत तक आने की उम्मीद है। इसे स्मार्ट रोड पर डिस्प्ले किया जाएगा। इसके लिए स्मार्ट पार्क की पार्किंग में प्लेटफॉर्म बनाया जा रहा है। 30 फीट बाय 100 फीट के प्लेटफॉर्म पर डिस्प्ले होने वाले इस मॉक अप में इंजिन के साथ एक इनबिल्ट बोगी होगी। पिछले करीब दो माह से मॉक अप डिस्प्ले के लिए स्थान तलाशा जा रहा था। हर शहर में मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू करने से पहले इस तरह का मॉक अप ऐसे स्थान पर डिस्प्ले किया जाता है जहां लोग इसमें बैठकर मेट्रो में बैठने का अनुभव ले सकते हैं।

MPMETRO

METRO NEWS

14th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	हरि भूमि	भोपाल	14.06.2023	02	मेट्रो: पहले चरण मे 3-3 कोच की 1-1 ट्रेन 31 अगस्त को भोपाल पहुँचेगी	Neutral

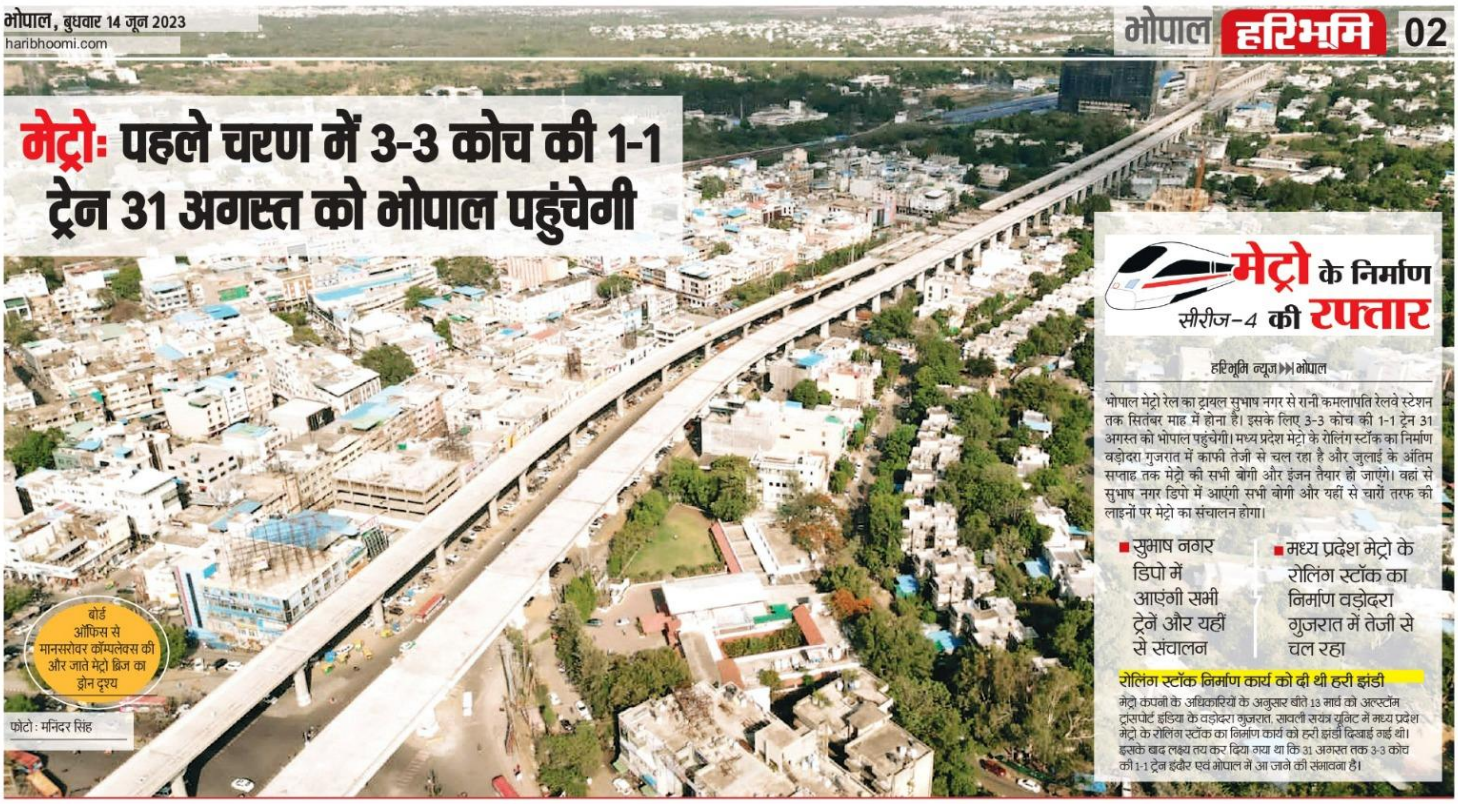

भोपाल, बुधवार 14 जून 2023
haribhoomi.com

भोपाल हरिभूमि 02

मेट्रो: पहले चरण में 3-3 कोच की 1-1 ट्रेन 31 अगस्त को भोपाल पहुंचेगी

बोर्ड ऑफिस से मानसरोवर कॉम्प्लेक्स की ओर जाते मेट्रो ब्रिज का ड्रोन दृश्य

फोटो : मनिंदर सिंह

मेट्रो के निर्माण सीरीज-4 की रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो रेल का ट्रायल सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक सितंबर माह में होना है। इसके लिए 3-3 कोच की 1-1 ट्रेन 31 अगस्त को भोपाल पहुंचेगी। मध्य प्रदेश मेट्रो के रोलिंग स्टॉक का निर्माण वड़ोदरा गुजरात में काफी तेजी से चल रहा है और जुलाई के अंतिम सप्ताह तक मेट्रो की सभी बोगी और इंजन तैयार हो जाएंगे। वहां से सुभाष नगर डिपो में आएंगी सभी बोगी और यहीं से चारों तरफ की लाइनों पर मेट्रो का संचालन होगा।

- सुभाष नगर डिपो में आएंगी सभी ट्रेनें और यहीं से संचालन
- मध्य प्रदेश मेट्रो के रोलिंग स्टॉक का निर्माण वड़ोदरा गुजरात में तेजी से चल रहा

रोलिंग स्टॉक निर्माण कार्य को दी थी हरी झंडी

मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के अनुसार बीते 13 मार्च को अल्स्टॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया के वड़ोदरा गुजरात, सावली सयंत्र यूनिट में मध्य प्रदेश मेट्रो के रोलिंग स्टॉक का निर्माण कार्य को हरी झंडी दिखाई गई थी। इसके बाद लक्ष्य तय कर दिया गया था कि 31 अगस्त तक 3-3 कोच की 1-1 ट्रेन इंदौर एवं भोपाल में आ जाने की संभावना है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	दैनिक जागरण	भोपाल	14.06.2023	05	तीन मेट्रो स्टेशन में प्लेटफार्म निर्माण का हुआ श्रीगणेश, 05 का सिवल स्ट्रक्चर 60% पूरा	Neutral

तीन मेट्रो स्टेशन में प्लेटफार्म निर्माण का हुआ श्रीगणेश, 05 का सिविल स्ट्रक्चर 60% पूरा

भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट के सिविल वर्क ने पकड़ी रफ्तार, एक डिजाइन के बनाए जा रहे कुल आठ मेट्रो स्टेशन

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। सितंबर में भोपाल मेट्रो के ट्रायल को लेकर प्रोजेक्ट के सिविल वर्क ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। मेट्रो के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में शामिल कुल आठ में से तीन स्टेशनों का निर्माण अंतिम चरण में है। यहां स्टेशन में प्लेटफार्म बनाने का काम शुरू हो गया है। बाकि पांच स्टेशनों का करीब 60 फीसदी सिविल वर्क पूरा हो गया है। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन के अफसरों ने बताया कि अगस्त तक स्टेशन मेट्रो ट्रायल के लिए तैयार हो जाएंगे।

अफसरों ने बताया कि सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय और बोर्ड ऑफिस स्टेशन का काम सिविल वर्क करीब 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म भी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म से छोटे होते हैं। लिहाजा प्लेटफार्म को तैयार करने में समय नहीं लगेगा। स्टेशन का निर्माण भी हाईटेक तरीके से किया जा रहा है। करीब एक सप्ताह बाद इन स्टेशनों से पटरी बिछाने का काम होगा। बता दें कि 1080 एचएच क्षमता की पटरी बिछाने का काम जारी है। अब तक कुल 7.5 लंबे किलोमीटर रूट पर 1000 मीटर तक पटरी बिछाई जा चुकी है।

मेट्रो स्टेशन की डिजाइन लगभग एक, मात्र कमला पति स्टेशन में तीन गेट: अफसरों ने बताया कि सभी मेट्रो स्टेशन की डिजाइन लगभग एक है। लेकिन, यात्रियों की संख्या के अनुमान के अनुसार प्रवेश और निकासी गेट की डिजाइन अलग-अलग तैयार की गई है। कमलापति रेलवे स्टेशन (अरेरा कॉलोनी की ओर) बनाए जा रहे मेट्रो स्टेशन में यात्रियों की संख्या अन्य स्टेशनों में सर्वाधिक होगी। लिहाजा, यहां तीन गेट की डिजाइन तैयार की गई है। इसके अलावा एमपी नगर मेट्रो स्टेशन में भी बैंकिंग सेक्टर और कमर्शियल हब होने के कारण अन्य स्टेशनों की अपेक्षा यात्रियों की आवाजाही अधिक होगी। बाकि मेट्रो स्टेशन पर दो-दो गेट होंगे।

छायाः एवसी

हर स्टेशन की लागत 50 करोड़, 140 मीटर लंबाई और 21 मीटर चौड़ाई

भोपाल मेट्रो के सभी स्टेशन की लंबाई और चौड़ाई एक सी होगी। हर स्टेशन 21 मीटर की चौड़ाई और 140 मीटर लंबे होंगे। हर स्टेशन की लागत भी करीब 50 करोड़ रुपये हैं। इनका निर्माण का जिम्मा यूआरसी कंपनी को दिया गया है। सभी आठ स्टेशनों में कुल 171 गर्डर लगाए जा रहे हैं। इन स्टेशनों में यात्रियों को हर प्रकार की हाईटेक सुविधा मिलेगी। मेट्रो प्रोजेक्ट के प्रमुख स्टेशनों में शामिल कमलापति स्टेशन पर 123 गर्डर लांच किए जा चुके हैं।

यहां बनाए जा रहे मेट्रो स्टेशन और नाम

■ एम्स मेट्रो स्टेशन। ■ अलकापुरी मेट्रो स्टेशन। ■ डीआरएम मेट्रो स्टेशन। ■ कमलापति मेट्रो स्टेशन। ■ एमपी नगर मेट्रो स्टेशन। ■ बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन। ■ सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन। ■ केंद्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन।

15 दिन बाद शुरू होगा इलेक्ट्रिक व टेक्निकल वर्क: मेट्रो स्टेशन के सिविल वर्क के बाद इलेक्ट्रिक व टेक्निकल वर्क होगा। 15 दिनों के बाद सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय और बोर्ड ऑफिस स्टेशन में इलेक्ट्रिक वर्क शुरू किया जाएगा। इस दौरान बिजली संबंधित काम से लेकर कंट्रोल रूम से कनेक्टिविटी के लिए काम होगा। यह काम कल्पतरु इंटरनेशनल कंपनी को दिया गया है।

कंट्रोल रूम से होगी मेट्रो स्टेशन की कनेक्टिविटी : सभी मेट्रो स्टेशन को कंट्रोल रूम से कनेक्ट किया जाएगा। सुभाष नगर आरओबी के पास 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 333.9 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन डिपो का काम 50 फीसदी पूरा हो चुका है। डिपो में ही एक जोन कंट्रोल रूम का होगा। डिपो का काम भी केईसी इंटरनेशनल कंपनी के जिम्मे हैं। अनुबंध के मुताबिक आगामी 15 सालों तक कंपनी को डिपो का रखरखाव करना होगा। डिपो में 880 एचएच क्षमता का कुल 4 किलोमीटर लंबा ट्रेक निर्माण भी जारी है। डिपो में हाईटेक सब स्टेशन, कंट्रोल रूम, इंस्पेक्शन वे, स्टेबलिंग वे, वाशिंग जोन और टेक्निकल संबंधित महत्वपूर्ण काम होंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
3	Hitwad	Bhopal	14.06.2023	01&03	First Metro mock-up coach next month	Neutral

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-06-14 | Page- 1
ehitavada.com

First Metro mock-up coach next month

- The coach will be a real model of Bhopal Metro with all the facilities inside
- Around 300 persons can be accommodated inside like a reach coach running in full capacity

■ Staff Reporter

Metro Rail Corporation is developing platform for the first mock-up Metro coach at Shyamla Hills.

THE Bhopal residents will be able to get a feel of travelling in a Metro by next month. The first mock-up Metro coach will be set-up at Smart Park at Shyamla hills. Metro officials claimed the mock-up is a prototype or real model of Bhopal Metro which is being developed by Alstom Company. The same company is awarded the contract of designing, manufacturing and commissioning the metro trains in Bhopal.

The residents can step-in and have a closer look of what it feels like travelling in Bhopal Metro, said an official. The model is being developed in Chennai and it will be brought

(Contd on page 3)

Powered by iDocuments

TheHitavada
Bhopal City Line | 2023-06-14 | Page- 3
ehitavada.com

First Metro mock-up coach next...

to Bhopal, soon. On the other hand, the Bhopal metro is developing platform for the metro train at Smart Park. Once, unloaded upon arrival from Chennai the coach will be installed at the platform.

The visitors will reach inside through stairs provided around, said an official. The coach will have a maximum capacity of 300 passengers, like that of an actual metro coach.

The other facilities like in metro including AC, LED screen, announcements and CCTV will be there in the model.

Powered by iDocuments

MPMETRO

METRO NEWS

19th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	नव दुनिया	भोपाल	19.06.2023	03	मेट्रो के लिए ईआईबी अगस्त मे देगा कर्ज की पहली किश्त मे 800 करोड़	Neutral

भोपाल सिटी

नवदुनिया 03

भोपाल, सोमवार 19 जून, 2023

मेट्रो के लिए यूआइबी अगस्त में देगा कर्ज की पहली किस्त में 800 करोड़

राह होगी आसान ● एम्स से लेकर करोंद तक मेट्रो की लाइन बिछाने में आएगी तेजी

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल मेट्रो के लिए यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक (यूआइबी) अगस्त 2023 में 800 करोड़ रुपये देगा। यह लिए जा रहे कर्ज की पहली किस्त होगी। इस राशि के मिलने के बाद मेट्रो के काम में गति आएगी। यह परियोजना 6,941 करोड़ रुपये की है, इसमें से यूआइबी 3,494 करोड़ रुपये का कर्ज दे रहा है। पहली किस्त के लिए सभी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। राजधानी में मेट्रो परियोजना के पहले चरण में एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो कारिडोर का निर्माण करना है। लेकिन बीते चार वर्ष से चल रहे निर्माण कार्य के बाद भी अभी एम्स से सुभाष नगर तक करीब छह किलोमीटर का एलिवेटेड ट्रैक बन पाया है। अधिकारियों का कहना है कि यूआइबी से पहली किस्त मिलने के बाद एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो ट्रैक के निर्माण में तेजी आएगी। भोपाल मेट्रो पर परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत बैंकों से कर्ज लिया जाएगा। इसमें 50 प्रतिशत हिस्सा यूआइबी का है।

शहर में प्रथम चरण में एम्स से सुभाष नगर तक 14.8 किमी के एलिवेटेड और दो किमी भूमिगत मेट्रो कारिडोर का निर्माण करना है। इसी तरह दूसरे चरण में रत्नागिरी तिराहे से भदभदा तक 14.2 किलोमीटर एलिवेटेड कारिडोर बनना है। इस पूरी योजना में 6,941 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। अनुबंध के अनुसार 20-20 प्रतिशत राशि केंद्र और राज्य सरकार देगी। जबकि, 50 प्रतिशत यूआइबी व 10 प्रतिशत कर्ज स्थानीय बैंकों से लेना होगा।

एम्स से लेकर सुभाष नगर तक करीबछह किलोमीटर का एलिवेटेड ट्रैक बनकर लगभग तैयार हो गया है। ● फाइल फोटो नवदुनिया

राज्य सरकार से मिले 561 करोड़ रुपये : बीते दो वर्षों में भोपाल व इंदौर मेट्रो परियोजना के लिए राज्य सरकार तीन किस्तों में 1122 करोड़ रुपये दे चुकी है। इसमें 561 करोड़ रुपये भोपाल मेट्रो को मिले हैं। जबकि अभी राज्य सरकार को अपने हिस्से के 827 करोड़ और देने हैं।

जून के आखिरी सप्ताह में आएगा माकअप : इधर, गुजरात में मेट्रो के लिए डिब्बे बनाने का काम शुरू हो गया है। सितंबर तक मेट्रो के डिब्बों की सप्लाई भोपाल को मिलना शुरू हो जाएगी। फिलहाल मेट्रो का माकअप (माडल) भोपाल आने वाला है। यह हूबहू मेट्रो रेल की बोगी जैसा होगा। जिसे देखकर आम जनता मेट्रो की कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह माकअप श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट पार्क में रखा जाएगा। इसके लिए बेस बनाया जा रहा है। जून के आखिरी सप्ताह में इसके भोपाल में पहुंचने की संभावना है।

प्रगति रिपोर्ट के आधार पर मिलेगी किस्त

बता दें कि भोपाल मेट्रो को यूआइबी से मिलना वाला कर्ज परियोजना की प्रगति रिपोर्ट के आधार पर मिलेगा। इसके लिए अक्टूबर 2022 में यूआइबी के अधिकारियों ने भोपाल में चल रहे मेट्रो परियोजना का मौके पर जाकर निरीक्षण किया था। अब फिर एक बार यूआइबी की टीम मौका मुआयना करने आएगी। इसके बाद कर्ज की किस्त जारी होगी।

भोपाल मेट्रो के लिए राज्य व केंद्र सरकार द्वारा केंद्राश दे दिया गया है। बाकी हिस्सा प्रोजेक्ट के प्रोग्रेस के अनुसार मिलता रहेगा। वहीं, यूआइबी भी 3,494 करोड़ रुपये कर्ज देगा। इसकी किस्तें जल्द मिलना शुरू होंगी।

-मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो रेल

MPMETRO

METRO NEWS

20th JUNE ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	पत्रिका	भोपाल	20.06.2023	4	1500 करोड़ मे सिग्नल, 1300 करोड़ से अन्डरग्राउन्ड लाइन का होगा काम	Neutral

पत्रिका

मेट्रो प्रोजेक्ट: यूरोपियन इंवेस्टमेंट बैंक से किस्तों में मिलेंगे 3500 करोड़

1500 करोड़ में सिग्नल, 1300 करोड़ से अंडरग्राउंड लाइन का होगा काम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का प्रायोरिटी कॉरीडोर निर्माण का काम अंतिम चरण में है। करीब 6 किमी लंबाई के ट्रैक में से सितंबर 2023 में चार किमी का ट्रैक ट्रायल के लिए तैयार हो जाएगा। बीते तीन सालों में कॉरीडोर निर्माण के लिए केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से 1000 करोड़ की राशि मिल चुकी है। इस राशि में से सिग्नलिंग पर 1500 करोड़ और अंडरग्राउंड लाइन पर 1300 करोड़ खर्च होंगे।

जरूरत के हिसाब से राशि खर्च की जा रही है। सितंबर में हम ट्रायल शुरू कर देंगे।

मनीष सिंह, एमडी, मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

दो किमी पटरियां बिछना बाकी- सुभाष स्टेशन पर बना शेड

रानी कमलापति से सुभाष ब्रिज तक करीब चार किमी लंबाई में पांच मेट्रो स्टेशन हैं। इनमें से सुभाष ब्रिज मेट्रो स्टेशन से शेड व अन्य इंटरनल काम शुरू हो चुके हैं। इसके साथ ही पटरियां बिछाने का काम भी तेजी से हो रहा है। करीब 50 फीसदी काम पूरा हो चुका है। दो किमी लंबाई की पटरियां बिछाना बाकी है, जो जुलाई आखिर तक बिछ जाएगी।

मेट्रो का वित्तीय गणित, केंद्र व राज्य ने दिए 1000 करोड़

39414 करोड़ की लागत पहले चरण की दो लाइनों पर

25-25 % केंद्र व राज्य की मद से, बाकी राशि इआइबी से लोन

250-250 करोड़ रुपए की राशि केंद्र व राज्य मद से मिली

2323-24 के प्रदेश के बजट में 355 करोड़ मिलेंगे

355 करोड़ की केंद्रीय मदद इस साल कुल 710 करोड़ मिलेंगे

1000 करोड़ मेट्रो के लिए अब तक मिल चुके हैं

3500 करोड़ यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक ने लोन मंजूर है

450 करोड़ रुपए की करीब पहली किस्त अगस्त में मिल जाएगी

लोन की राशि का उपयोग बड़े कामों पर

- सिविल वर्क के लिए केंद्र व राज्य के बजट की राशि का उपयोग

-सिग्नल,कोच, इंजन, अंडरग्राउंड लाइन, टिकटिंग सिस्टम, बिजली इंफ्रास्ट्रचर इआइबी लोन से

Date: 20/06/2023, Edition: Bhopal, Page: 4
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	हरि भूमि	भोपाल	21.06.2023	12	सुभाष नगर से आरकेएमपी रेल्वे स्टेशन तक मेट्रो के सभी बाहरी काम हो गये पूरे	Neutral

मेट्रो ट्रायल: जुलाई में वॉकअप चेकिंग के बाद ट्रैक हो जाएगा तैयार

सुभाष नगर से आरकेएमपी रेलवे स्टेशन तक मेट्रो के सभी बाहरी काम हो गए पूरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो ट्रायल के लिए बाहर के सभी काम पूरे हो गए हैं। अब मेट्रो स्टेशन के अंदर इंटीरियर व अन्य काम शुरू हो गए, जिससे जुलाई माह में वॉकअप चेकिंग के बाद मेट्रो ट्रायल के लिए ट्रैक तैयार हो जाएगा। ट्रैक पर पटरी बिछाने का काम भी तेजी से चल रहा है। अभी तक बोर्ड ऑफिस के आगे तक पटरी बिछ चुकी है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पटरी का काम अंतिम चरण में है। दूसरी तरफ की पटरी का काम भी शुरू हो चुका है। पटरी की वेल्डिंग के लिए अत्याधुनिक वेल्डिंग मशीन पर बारिश का कोई असर नहीं होता है। रात और दिन यह मशीन काम कर रही है।

सिर्फ सरगम टॉकीज स्टेशन पर गार्डर की सेटिंग होना शेष है

पांच मेट्रो स्टेशन की गर्डर लांचिंग पूरी हुई, हर स्टेशन पर लगे हैं 171 गर्डर, अब सुभाष नगर से रानी कमलापति तक नहीं रोका जाएगा ट्रैफिक

एक स्टेशन पर लगे हैं 171 गर्डर

पांच मेट्रो स्टेशन की गर्डर लांचिंग पूरी हो गई है। सिर्फ सरगम टॉकीज स्टेशन पर गार्डर की सेटिंग होना शेष है। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार हर स्टेशन पर 171 गर्डर लांच हुए हैं, जिससे बाहरी काम पूरा हो सका। गार्डर लांचिंग व बाहरी काम पूरा होने के बाद अब सुभाष नगर से रानी कमलापति तक ट्रैफिक रोकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	पत्रिका	भोपाल	24 .06.2023	8	132 केवी की केबल, 750 डीसी करंट से दोड़ेगई मेट्रो	Neutral

पत्रिका

#Metrotrainproject

स्मार्टसिटी भी अपना रिसीविंग सब स्टेशन डिपो के पीछे की ओर बना रहा

132 केवी की केबल, 750 डीसी करंट से दौड़ेगी मेट्रो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. गोविंदपुरा बिजली पॉवर स्टेशन से मेट्रो ट्रेन और स्मार्टसिटी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन एक ही डक्ट में अंडरग्राउंड केबल बिछा रही है।

मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन 132 केवी क्षमता की सात केबल बिछा रहा है, जबकि स्मार्टसिटी अपने चार केबल इसमें डाल रहा है। सुभाष डिपो के पास मेट्रो ट्रेन अपना रिसीविंग सब स्टेशन तैयार कर रहा है, जिसमें 132 केवीए करंट 32 केवीए में बदलकर इन्हें डिपो व मेट्रो स्टेशन भेजा जाएगा। स्मार्टसिटी भी अपना रिसीविंग सब स्टेशन डिपो के पीछे की ओर बना रहा है, यहीं से एबीडी एरिया में बिजली आपूर्ति कर दी जाएगी।

गोविंदपुरा से प्रभात चौराहा की ओर बिछेगी लाइन

मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन अपनी सात केबल को बिछाने में करीब 40 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है। स्मार्टसिटी भी करीब 20 करोड़ रुपए का खर्च कर रहा है। लाइन के लिए गोविंदपुरा से अस्सी फीट रोड प्रभात चौराहा ओर आगे की ओर डक्ट की खुदाई की जा रही है। मोटी और भारी केबल इस डक्ट में डाली जा रही है।

मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड केबलिंग का काम जल्द पूरा किया जाएगा। तकनीकी काम को जल्द पूरा किया जा रहा है।

मनीष सिंह, एमडी मेट्रो ट्रेन कॉरपोरेशन

एक साथ केबलिंग से दोहरी खुदाई से बच गए

मेट्रो और स्मार्टसिटी ने अपनी अंडरग्राउंड केबल को एक ही डक्ट व एक ही समय में बिछाकर लोगों को दोहरी खुदाई के दंश से राहत दी। दोनों ही एजेंसियों को अपने लिए बिजली लाइन बिछाना थी। दोनों ने ही आपस में चर्चा करके एक साथ काम तय किया और एक ही डक्ट से इसे आगे बढ़ाया जा रहा।

ऊपर दिए क्यूआर कोड को स्कैन कर बताएं समस्या...

750 डीसी करंट से दौड़ेगी मेट्रो

मेट्रो ट्रेन 750 डीसी करंट सिस्टम से दौड़ेगी। इसके लिए ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगातार मेट्रो को स्वचालित बनाया जाएगा। मेट्रो ट्रेन स्टेशन व अन्य कामों के लिए डिपो से आ रही बिजली से काम चलेगा।

Date: 24/06/2023, Edition: Bhopal, Page: 8
Source : https://epaper.patrika.com/

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	Free Press	Bhopal	25.06.2023	03	Bhopal Metro to be tested in twin modes of operation	Neutral

Bhopal Metro to be tested in twin modes of operation

Bhopal: Madhya Pradesh Metro Train Corporation is making large-scale preparations to conduct trial run of Bhopal Metro Train in September. During the trial run, train will be operated with and without driver. A Madhya Pradesh Metro Rail Corporation official said that metro train had been designed to operate through two modes. In GOA -2 operation mode, the train is operated by the driver. In GOA 4 operation mode, train is operated without driver.

Sources said Metro Train Coaches have been designed to make the passengers' journey comfortable. Each coach of Metro Train will have four fire and smoke alarms, which will alert the controlling unit during an emergency. In addition, every coach will be equipped with firefighting system. Passengers will experience personalised cooling in every coach of the train.

The infrastructure work of Bhopal Metro has been expedited. Most exterior works have been completed. Interior work of Metro stations is underway. Other than this, 1.5-km rail line has been laid.

Madhya pradesh Metro News

29 june ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01 33	पत्रिका	Bhopal	29.06.2023	4	यात्रिओं के हिसाब से होगी कोच में कूलिंग, ऑटोमैटिक फायर सिस्टम	possitive

पत्रिका

मेट्रो के आठ स्टेशनों का काम लगभग पूरा

यात्रियों के हिसाब से कोच में होगी कूलिंग, ऑटोमेटिक फायर सिस्टम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल @ पत्रिका. मेट्रो ट्रेन के कोच अत्याधुनिक सुविधा से लैस होंगे। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए आग से निपटने के लिए फायर अलार्म के साथ फायर सिस्टम भी होगा। ताकि जरूरत पड़ने पर यात्री आग बुझा सकें। हर कोच में चार फायर व स्मोक अलार्म होंगे। आपात स्थिति के लिए पुश बटन होगा। ताकि यात्री को तुरंत मदद मिले। मेट्रो कोच में हर यात्री पर प्रबंधन की निगाह होगी। सीसीटीवी कैमरे में यात्रियों की आवाजाही रिकॉर्ड होगी। एसी के सेंसर यात्रियों की संख्या और दबाव की स्थिति के अनुसार कूलिंग कम-ज्यादा करेंगे।

सितंबर में ट्रायल रन, कोच लगभग तैयार

मेट्रो ट्रेन का सितंबर से ट्रायल रन शुरू होगा। कोच लगभग तैयार हैं। एक कोच का मॉडल जल्द ही स्मार्ट पार्क में स्थापित होगा। यह चेन्नई में तैयार हो रहा है।

मेट्रो को चलाने के लिए तैयार हो रहे दो मॉडल

मेट्रो को चलाने के लिए दो मॉडल तैयार हो रहे हैं। एक ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन दो व दूसरा ग्रेड ऑफ ऑटोमेशन चार रहेगा। दूसरे ग्रेड की ट्रेन को ड्राइवर चलाएगा, जबकि चौथे ग्रेड की ट्रेन पूरी तरह ऑटोमेटिक होगी। शुरुआत में जीओए दो ट्रेन को संचालित किया जाएगा।

तय समय में प्रोजेक्ट पूरा करने की तैयारी

मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से किया जा रहा है। अब यह नजर आने लगा है। तय समय में हम इसे जनता को समर्पित करेंगे।

मनीषसिंह, एमडी, मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट

डिपो में लोडिंग-अनलोडिंग का काम हुआ पूरा

मेट्रो ट्रेन के सुभाष नगर डिपो का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। यहां लोडिंग-अनलोडिंग का काम पूरा हो गया है। इंसपेक्शन का काम 55 फीसदी हुआ है। आठ मेट्रो स्टेशन के ओपन फाउंडेशन का 94 प्रतिशत काम हो गया है। इनमें गर्डर कॉस्टिंग का 63 फीसदी काम हो गया है।

हर कोच में पैसेंजर कम्यूनिकेशन यूनिट

मेट्रो के हर कोच में पैसेंजर कम्यूनिकेशन यूनिट होगी। इसके माध्यम से पैसेंजर सीधे ड्राइवर से बात कर सकेगा। इससे किसी भी आपात स्थिति में यात्री व ड्राइवर का जुड़ाव बना रहेगा। ग्रेड चार वाली ट्रेन में ऑपरेशन कंट्रोल रूम से बात की जा सकेगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20 34	दैनिक जागरण	Bhopal	29. 06.2023	03	अगस्त में आएगा मेट्रो के तीन डिब्बों का पहला सेट, 50 प्रतिशत रूट पर पटरी बिछाने का काम पूरा	positive

दैनिक जागरण
भोपाल, 29 जून 2023

राजधानी जागरण 03

11 राज्य 31 संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

अगस्त में आएगा मेट्रो के तीन डिब्बों का पहला सेट, 50% रूट पर पटरी बिछाने का काम पूरा

सितंबर में मेट्रो ट्रायल को लेकर सिविल और टेक्निकल वर्क ने पकड़ी रफ्तार

- **मेट्रो के सुभाष नगर स्थित डिपो के प्रायोरिटी जोन की टेस्टिंग 60 दिन बाद**

छाया: एचसी

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल मेट्रो को पटरी पर लाने के लिए तेज रफ्तार से काम जारी है। एम्स से लेकर सुभाष नगर मेट्रो एलिवेटेड रूट के 50 फीसदी भाग में पटरी बिछाने का काम पूरा हो गया है। उधर, गुजरात के बड़ोदरा में बन रहे मेट्रो के डिब्बों का पहला सेट अगस्त में भोपाल पहुंचेगा। इस संबंध में मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को इस संबंध में कंपनी ने पत्र लिखा है। मेट्रो के सबसे महत्वपूर्ण सेक्शन डिपो के प्रायटी जोन की दो माह बाद टेस्टिंग की तैयारी भी शुरू हो गई है। बता दें कि भोपाल मेट्रो ट्रायल की डेडलाइन अगस्त में तय की गई है। आगामी 30 दिनों में पटरी बिछाने का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि एम्स से सुभाष नगर तक कुल 7.5 किलोमीटर लंबा रूट पर मेट्रो का ट्रायल होगा। इस रूट के प्रायोरिटी कॉरिडोर का सिविल वर्क 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है। साथ ही करीब तीन किलोमीटर से अधिक पटरी बिछाई जा चुकी है। पटरी बनाने का काम छत्तीसगढ़ की जिंदल स्टील कंपनी के जिम्मे है। 175 करोड़ रुपये की लागत से मेट्रो की पटरी का निर्माण किया जा रहा है। पटरी भी दो प्रकार की बनाई जा रही है। 880 एचएच क्षमता की पटरी डिपो रूट के लिए बिछाई जाएंगी, जबकि यात्रियों के भार के लिए मेट्रो एलिवेटेड रूट पर 1080 एचएच क्षमता की पटरी बिछाई जा रही हैं। कंपनी से पटरी का पहली खेप बीते मार्च में मिली थी पटरी को बिछाने का काम 250 करोड़ रुपये की लागत से एलएनटी कंपनी कर रही है। आगामी 20 सालों तक कंपनी पटरी संबंधित तमाम कामकाजों का संधारण भी करेगी।

25 मेट्रो सेट का हो रहा निर्माण, ऑटोमेटिक रन से संचालन : मेट्रो का संचालन कंट्रोल रूम से होगा। शुरू के दो माह छोड़कर इसमें पायलट की जरूरत नहीं होगी। टेंडर के मुताबिक एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी मेट्रो के कुल 25 सेट का निर्माण कर रही है। एक सेट में तीन डिब्बों होंगे। इनमें अलग से इंजन की जरूरत नहीं होगी। इन तीन डिब्बों में अधिकतम 900 यात्री एक बार में सफर कर सकेंगे।

फाइल फोटो

भोपाल और इंदौर मेट्रो के डिब्बों के निर्माण का काम 60 फीसदी पूरा

भोपाल और इंदौर मेट्रो के डिब्बों के निर्माण का काम फ्रांस की एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड कंपनी के जिम्मे है। गुजरात के बड़ोदरा में कंपनी ने प्लांट लगाया है। अफसरों ने बताया कि यह काम प्रोग्रेस रिपोर्ट के मुताबिक यह काम 60 फीसदी पूरा हो चुका है। मेट्रो के ट्रायल के लिए 15 अगस्त तक डिब्बों की पहली खेप भोपाल पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि 3 हजार 200 करोड़ रुपये की लागत से कंपनी डिब्बे बनाने से लेकर मेट्रो सिग्नल, संचालन के कंट्रोल रूम समेत अन्य तकनीकी काम करेगी। अनुबंध की शर्तों के मुताबिक आगामी 15 सालों कंपनी को संधारण भी करना होगा।

60 दिन बाद होगी डिपो के प्रायोरिटी सेक्शन टेस्टिंग

सुभाष नगर आरओबी के पास 26 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 333.9 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन डिपो का डेवलपमेंट दो भागों में जारी है। मेट्रो संचालन के उद्देश्य से प्रायोरिटी सेक्शन को तैयार किया जा रहा है। 60 दिनों के बाद इसकी टेस्टिंग की जाएगी। डिपो का निर्माण बीते साल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था। डिपो में न सिर्फ मेट्रो रखरखाव होगा बल्कि संचालन के लिए हाईटेक सब स्टेशन, कंट्रोल रूम, इंस्पेक्शन वे, स्टेबलिंग वे, वाशिंग जोन और टेक्निकल संबंधित महत्वपूर्ण काम होंगे। डिपो में मेट्रो के 27 सेट रखने की जगह होगी। एक सेट में तीन डिब्बे होंगे। इस हिसाब से कुल 81 डिब्बे डिपो में खड़े हो सकेंगे। इस सेक्शन को शेड नाम दिया गया है। एक ट्रैक पर अधिकतम पांच मेट्रो ट्रेन के सेट के खड़े होनी संबंधित स्ट्रक्चर तैयार किया गया है।

Madhya pradesh Metro News

30 june ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
35	Haribhoomi	Bhopal	30.06.2023	3	चंबल ग्रिड सब स्टेशन से मेट्रो के सुभाष नगर डिपो तक बिजली सप्लाई शुरू	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 30 जून 2023

2.5 किमी केबल से मिलने लगी बिजली

चंबल ग्रिड सब स्टेशन से मेट्रो के सुभाष नगर डिपो तक बिजली सप्लाई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- इसी से मेट्रो संचालन के लिए थर्ड रेल का कनेक्शन होगा
- सितंबर तक मेट्रो ट्रेन के ट्रायल की पूरी उम्मीद

मेट्रो की पटरी बिछने के साथ इलेक्ट्रिफिकेशन का काम काफी तेजी से चल रहा है। बिजली कंपनी के गोविन्दपुरा चम्बल ग्रिड सब स्टेशन से सुभाष नगर मेट्रो डिपो तक 2.5 किमी लंबी अंडर ग्राउंड केबल बिछ गई है, जिससे 132 किलोवाट की बिजली सप्लाई होना है। भोपाल मेट्रो कंपनी के अनुसार सुभाष नगर डिपो तक 132 किलोवाट की बिजली सप्लाई होने के बाद मेट्रो संचालन के लिए बिजली का 80 फीसदी से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। क्योंकि पटरी बिछने के साथ ही थर्ड रेल का काम चल रहा है, जिससे मेट्रो का संचालन होना है। जबकि केबल बदाने का काम एम्स तक पूरा हो चुका है। इससे सितंबर में मेट्रो का ट्रायल होने की उम्मीद बढ़ गई है।